सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 333 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 16 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रमिकों को मिलेंगे 2 लाख, 5 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार-2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पुरस्कार के तहत चयनित श्रमिक अथवा संस्था को 2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार उन श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में श्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य किया हो। श्रम विभाग द्वारा पात्र श्रमिकों एवं संस्थाओं से 5 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। इच्छुक श्रमिक एवं संस्थाएं श्रम विभाग की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पुरस्कार से संबंधित नियम व शर्तों की जानकारी इसी वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

गाय चराने गए किसान की करंट लगने से मौत

सक्ती। जिले के डभरा थाना क्षेत्र के ग्राम कटौद में खेत के आसपास लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से 62 वर्षीय किसान की मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा है, वहीं ग्रामीणों ने मामले में कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है। जानकारी के अनुसार ग्राम कटौद में गौधाम सेवा समिति गठित गई है, जिसमें 11 सदस्य बारी-बारी से गांव की गायों को चराने का कार्य करते हैं। इसी क्रम में रोहितबरेठ (62 वर्ष) अपने दो साथियों हेम साहू और ओम चंद्रा के साथ गायों को चराने के लिए गए थे। बताया जा रहा है कि गांव के एक किसान ने फसल को जानवरों से बचाने के लिए बिजली का तार लगाया था, जिसमें अवैध तरीके से बिजली का करंट प्रवाहित किया गया था। इसी दौरान कुछ गायें फसल की ओर जाने लगीं तो उन्हें रोकने के लिए रोहित बरेठ आगे बढ़े करंट की चपेट में आ गए। घटना देखकर उनके दोनों साथी ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डभरा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इजराइल को 26 हजार करोड़ के हथियार देंगे ट्रम्प

वाशिंगटन ए.। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन इजराइल को 2.8 अरब डॉलर यानी करीब ?26 हजार करोड़ के हथियार देने की तैयारी कर रहा है। इस पैकेज में करीब 40 हजार भारी बम शामिल हैं। हर बम का वजन 2000 पाउंड यानी करीब 900 किलो है। इन बमों की सप्लाई पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2024 में रोक लगाई थी। प्रस्तावित हथियार पैकेज में 20 हजार रू84 और 20 हजार क्रू-117 बम शामिल हैं। डील अभी फाइनल नहीं हुई है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कांग्रेस को इसकी अनौपचारिक जानकारी दे दी गई है। 2024 में बाइडेन प्रशासन ने 2,000 पाउंड के इन बमों की एक खेप इजराइल भेजने पर रोक लगा दी थी। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यह रोक हटा दी गई।

सेवा संकल्प अभियान : छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में जगमगाएंगे आशीर्वाद के दिए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर एक माह तक चलेगा देशव्यापी अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जननायक के रूप में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत 17 सितंबर से हो रहा है। छत्तीसगढ़ में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए सेवा और विकास से जुड़े कार्यों को लोगों तक पहुंचाने के साथ जनसेवा के कार्यक्रमों को बढ़ाना है। इन कार्यक्रमों में रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, स्कूलों में प्रतियोगिताएं आदि शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां पूरी कर ली गईहै। नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव, पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने एक दिन पहले वर्चुअल बैठक ली। अरुण साव ने नगर निगमों के महापौरों, आयुक्तों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के अध्यक्षों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक लेकर सेवा संकल्प अभियान के दौरान संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, विभागीय समन्वय,

जनभागीदारी और प्रचार-प्रसार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं पंचायत मंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक हितग्राही और प्रत्येक नागरिक को जोड़ना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान की पहुंच गांव के अंतिम व्यक्ति तक हो और इसमें शासन की योजनाओं के हितग्राहियों के साथ आम नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

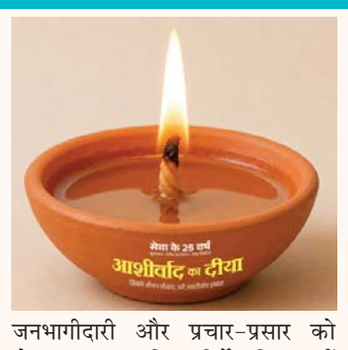

प्रदेशभर में होंगे सेवा कार्यक्रम

अभियान के तहत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच स्कूल और कॉलेजों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किये गए सेवा कार्यो और विकसित भारत की संकल्पना पर जानकारी दी जाएगी और ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अलावा रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, प्रदर्शनियां, सेमिनार और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जागरूकता गतिविधियां होंगी। ब्लॉक स्तर पर 'सेवा सेतु' शिविर लगाए जाएंगे, जहां लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में मदद दी जाएगी।

शिवरीनारायण के महानदी घाट पर जलेंगे एक लाख दीप

17 सितंबर को शाम 7 बजे जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण स्थित महानदी घाट पर एक लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। यह दीप प्रज्वलन प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा, जनसेवा के संकल्प और राष्ट्र निर्माण की यात्रा के प्रति सम्मान एवं शुभकामना का प्रतीक होगा। जिले के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भी दीप प्रज्वलित कर सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का संदेश दिया जाएगा। वहीं कोंडागांव में लगभग 01 लाख 11 हजार दीप प्रज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार सभी जिलों में लाखों दिए जलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सभी संभागों में जलेगा आर्शीवाद का दीया

विशेष कार्यक्रम के रूप में 17 सितम्बर 2026 को आशीर्वाद का दीया, नमो सेवा गाथा के तहत संभागीय मुख्यालय रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर (सरगुजा), और जगदलपुर (बस्तर), के आडिटोरियम में संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन से समन्वय कर प्रस्तावित तिथि अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। नमो सेवा गाथा अंतर्गत नुक्कड नाटक, नृत्य नाटिका जिले केस्थानीय कलाकार के माध्यम से सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। 17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्मदिन है, जबकि 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक पद पर 25 साल पूरे होंगे। 17 अक्टूबर 2026 को अभियान का समापन बड़े कार्यक्रम के साथ किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ का गेवरा बनेगा दुनिया का सबसे बड़ी कोयला खदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की प्रमुख गेवरा खदान दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक खदान बनने की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ा रही है। वर्तमान में एशिया की नंबर-वन और विश्व की दूसरी सबसे बड़ी ओपनकास्ट कोयला खदान का दर्जा प्राप्त गेवरा ने आगामी वर्ष के लिए 70 मिलियन टन वार्षिक कोयला उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

गेवरा के महाप्रबंधक संजय मिश्रा ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में इस खदान ने लगभग 59.1 मिलियन टन कोयले का रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया है। देश की ऊर्जा सुरक्षा में इस खदान का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत के कुल कोयला उत्पादन में अकेले लगभग छह प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है। यहाँ से उत्पादित कोयला देश के सात विभिन्न राज्यों के बिजली संयंत्रों और उद्योगों को आपूर्ति किया जाता है।

महाप्रबंधक ने स्पष्ट किया कि उत्पादन क्षमताओं के विस्तार के साथ-साथ खदान में सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के बल पर गेलरा आने वाले समय में दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक खदान के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। वरिष्ठ प्रबंधक गेवरा शेख मुजाहिद आलम के मुताबिक खदान के लिए इस साल कुछ और भूमि का अधिकरण किया जाना है, इसके लिए अनुमति मिल चुकी है। इसके अलावा खदान में कोयला निकालने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है ,कर्मचारियों की सुरक्षा के बारे में उन्होंने बताया इसके लिए रडार एवं अन्य तकनीक के जरिए लगातार निगरानी की जा रही है।

अतिरिक्त जमीन का मुआवजा मांगना पड़ा भारी, एनएचएआई वसूलेगा 50 से 70 लाख

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के ग्राम सकरी में खसरा नंबर 407/5 के भू-स्वामियों द्वारा तीन से चार डिसमिल अतिरिक्त जमीन का दावा करना भारी पड़ गया है। हाई कोर्ट के निर्देश पर हुए भौतिक सत्यापन में कुल रकबा 25 डिसमिल से बढ़कर लगभग 28 डिसमिल हो गया है।

राजस्व नियमों के अनुसार, 25 डिसमिल की सीमा पार होते ही पूरा भूखंड छोटे आवासीय-व्यावसायिक स्लैब (वर्गफुट/डिसमिल दर) से बाहर होकर थोक हेक्टेयर गाइडलाइन दर के दायरे में आ जाता है, जो काफी कम होती है।

इस तकनीकी फेरबदल के कारण मुआवजा राशि में भारी गिरावट आई है। इसे देखते हुए एसडीएम न्यायालय ने एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) को पुनर्मूल्यांकन के निर्देश दिए हैं। अब एनएचएआई पूर्व में भुगतान किए गए 1.43 करोड़ रुपये में से 50 से 70 लाख रुपये तक की अतिरिक्त राशि की रिकवरी करेगा।

यह है पूरा मामला

खसरा नंबर 407/5 के भू-स्वामियों की लगभग 25 डिसमिल जमीन एनएच निर्माण के तहत अधिग्रहित हुई थी। इसका मुआवजा छोटे आवासीय-व्यावसायिक भूखंड के स्लैब (वर्गफीट/डिसमिल दर) से 1.43 करोड़ रुपये उन्हें मिल चुका है। इसके बाद भू-स्वामियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर लगभग तीन से चार डिसमिल जमीन और अधिक दबने का दावा किया था।

विश्वकर्मा जयंती पर राजधानी में होगा भव्य श्रमिक महासम्मेलन

मुख्यमंत्री साय होंगे मुख्य अतिथि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर 17 सितंबर को राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय श्रमिक महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा। श्रमिकों के सम्मान, उनके योगदान को रेखांकित करने और श्रम शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित इस महासम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन करेंगे।

सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा, रायपुर में दोपहर 12 बजे से आयोजित होने वाला यह महासम्मेलन प्रदेश के श्रमवीरों के सम्मान का महत्वपूर्ण अवसर होगा। निर्माण से लेकर उद्योग, कृषि, सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में अपने परिश्रम से प्रदेश के विकास में योगदान देने वाले श्रमिक इस आयोजन के केंद्र में रहेंगे। भगवान विश्वकर्मा जयंती श्रम, कौशल, निर्माण और सृजन की शक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजित श्रमिक महासम्मेलन के माध्यम से श्रम के सम्मान और श्रमिकों के महत्व का संदेश प्रदेशभर में पहुंचाया जाएगा। श्रमिकों की मेहनत और कौशल से ही विकास की मजबूत नींव तैयार होती है। छत्तीसगढ़ के विकास में श्रम शक्ति की इसी महत्वपूर्ण भूमिका को यह आयोजन रेखांकित करेगा।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और मंत्री कश्यप विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इनके साथ मंत्री रामविचार नेताम, श्री दयालदास बघेल, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, लक्ष्मी राजवाड़े, टंकराम वर्मा, गजेन्द्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब, राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, पुंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, इंद्र कुमार साहू, डॉ. रामप्रताप सिंह, योगेश दत्त मिश्रा और किशोर महानंद सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

विश्वकर्मा जयंती के इस विशेष अवसर पर आयोजित श्रमिक महासम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश के श्रमवीरों के परिश्रम, कौशल और छत्तीसगढ़ के विकास में उनके अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का सार्वजनिक अभिव्यक्तिकरण होगा।

बिहार में 50 लाख लोग बाढ़ में घिरे, उत्तराखंड में लैंडस्लाइड

नईदिल्ली। बिहार के 15 जिलों की 575 पंचायतों में करीब 50 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। कटिहार में सरकारी स्कूल और कोचिंग सेंटर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। बच्चे नाव में बैठकर पढ़ रहे हैं। प्रदेश के 26 जिलों बारिश का यलो अलर्ट है। आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है।

यूपी में बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। करीब 4 लाख की आबादी प्रभावित है। वहीं, लखीमपुर में शारदा नदी का कटान तेज होने से 24 घंटे में 7 मकान नदी में समा गए हैं। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के आदि कैलाश मार्ग पर दोबाट में लैंडस्लाइड से सड़क फिर बंद हो गई। रुद्रप्रयाग में

केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास सुरक्षा के मद्देनजर यात्रियों को हेलमेट पहनाकर भेजा जा रहा है। चार दिन पहले लैंडस्लाइड में कई घोड़े-खच्चर मारे गए थे। रास्ते में पड़े शवों से बदबू और सांस लेने में परेशानी की शिकायतें सामने आ रही हैं।

राजस्थान के 26 जिलों में 17 सितंबर तक बारिश का यलो अलर्ट है। मंगलवार को अजमेर, पाली समेत कुछ अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। वहीं, मध्य प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में 17 से 19 सितंबर तक और 18 से 21 सितंबर तक पूर्वी हिस्से में बारिश हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में बारिश थमने के बाद चढ़ा पारा

छत्तीसगढ़ में आज कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट है। कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका भी है। पिछले 24 घंटे में रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। बारिश की गतिविधियां कम होने के साथ अब तापमान बढ़ने लगा है। राजनांदगांव सबसे गर्म रहा, यहां पारा 35 डिग्री तक पहुंच गया। प्रदेश में बारिश की गतिविधियां पहले की तुलना में कम हुई हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में भी कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है।

जीएसटी विभाग में 42 टैक्स इंस्पेक्टर्स की नियुक्ति रद्द, पुराने पद पर लौटेंगे

■ भर्ती परीक्षा में एक जैसे जवाब मिले, दोबारा जांच में बढ़े नंबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के त्रस्ज्ञ विभाग में वाणिज्यिक कर निरीक्षक बनने वाले 42 कर्मचारियों को अब अपने पुराने पद पर लौटना होगा। इन कर्मचारियों को 2021 और 2022 में हुई सीमित भर्ती परीक्षा के जरिए लिपिक पद से वाणिज्यिक कर निरीक्षक बनाया गया था। बाद में इस भर्ती परीक्षा को लेकर शिकायतें सामने आईं।

जांच में कई गड़बड़ियां मिलीं। चयनित कर्मचारियों की कॉपियों में एक जैसे जवाब पाए गए। कुछ मामलों में दोबारा जांच के बाद अंक बढ़ने की बात भी सामने आई। वहीं, परीक्षा में शामिल कर्मचारियों का उपस्थिति रिकॉर्ड भी नहीं मिला। जांच रिपोर्ट के आधार पर राज्य कर आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने परीक्षा और उसके आधार पर हुए चयन को रद्द कर दिया। इसके साथ ही 42 कर्मचारियों को वाणिज्यिक कर निरीक्षक पद से हटाकर उनके मूल पद पर वापस भेजने का आदेश जारी किया है।

छत्तीसगढ़ में 400 से ज्यादा कॉन्स्टेबल अभ्यर्थियों की नियुक्ति का रास्ता साफ

सुप्रीम-कोर्ट ने सरकार की याचिका खारिज की, 2017 में निकली थी भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में साल 2017 की कॉन्स्टेबल भर्ती से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए उसकी विशेष अनुमति याचिका (स्ल्क) खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे 400 से ज्यादा कॉन्स्टेबल अभ्यर्थियों के लिए नौकरी का रास्ता साफहोने की उम्मीद बढ़ गई है।

दरअसल, मामला साल 2017 में जारी 2259 कॉन्स्टेबल पदों की भर्ती प्रक्रिया से जुड़ा है। भर्ती में प्रतीक्षा सूची के प्रावधान को लेकर विवाद के बाद मामला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहुंचा था। पारस राम ध्रुव और अन्य के पक्ष में हाईकोर्ट ने 1 फरवरी 2024 को फैसला सुनाया था। इसी आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में स्ल्क दाखिल की थी।

हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि पुलिस कॉन्स्टेबल सेवा नियम 2007 के नियम 13(2) के तहत वैध प्रतीक्षा सूची से रिक्त पदों को भरा जाना है। इसमें प्रोन्नति, सेवानिवृत्ति, कैडर परिवर्तन या अन्य कारणों से रिक्त हुए पद भी शामिल हैं। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट की तरफसे स्ल्क खारिज किए जाने के बाद हाईकोर्ट के आदेश के प्रभावी होने का रास्ता खुल गया है।

सालों से इंतजार

2259 कॉन्स्टेबल पदों की भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अभ्यर्थी लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रतीक्षा सूची में रिक्त पदों को शामिल किए जाने को लेकर चला कानूनी विवाद उनकी नियुक्ति में सबसे बड़ी अड़चन बना हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इस विवाद के समाप्त होने और 400 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिलने की संभावना बढ़ गई है।

संपादकीय

भ्रष्टाचार की शपथ!

समाज-सरकार की ईमानदार पहल से अंकुश

हमारे समाज में भ्रष्टाचार का वायरस व्यवस्था की रगों में किस कदर घर कर चुका है उसकी बानगी पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों की हरकत से उजागर हुई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल होता दिखा, जिसमें पार्षद राउंड टेबल के चारों ओर खड़े होकर शपथ लेते नजर आए कि वे भ्रष्टाचार की कमाई के बंटवारे में ईमानदारी दिखाएंगे। इस घटना के बाद खासा बवाल मचा कि कैसे भ्रष्टाचार की कमाई के लिए भी बाकायदा सिंडिकेट रूप में काम किया जा रहा है। यह वाकया हमारे समाज में व्यवस्था की सड़न को तो दर्शाता ही है, साथ ही भ्रष्टाचारियों के दुस्साहस को भी सामने लाता है। यह घटना हमारी लोकतंत्र की छोटी इकाई में चुने गए नुमाइंदों के चरित्र, सोच और इरादों को तो दर्शाती है, समाज में जीवन मूल्यों के पराभव के बिंब भी उकेरती है। समाज को यह भी संदेश देती है कि हम छोटे-छोटे लालचों के लिये कैसे पार्षद चुनते हैं। जाति, धर्म व क्षेत्र तथा संकुचित आकांक्षाओं के लिये घटिया प्रतिनिधियों को स्थानीय निकायों में अपने हितों पर कुठाराघात के लिये चुनते हैं। यह तो भविष्य बताएगा कि आने वाले समय में इन पार्षदों के खिलाफ पार्टी विशेष की तरफ से क्या कार्रवाई होती है, लेकिन यह घटना भारतीय समाज में घर करते भ्रष्टाचार की एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को जरूर उजागर कर गयी। जब देश आजाद हुआ तो राजस्थान में एक विधायक ऐसा चुना गया, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण में शामिल होने का बस किराया भी नहीं था। बाद में लोगों ने चंदा एकत्र करके उस विधायक को जयपुर भेजा था। आज हमारी जनप्रतिनिधि संस्थाओं में सैकड़ों करोड़पति-अरबपति जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति समाज में आर्थिक विषमता की तसवीर उकेरती है। गाहे-बगाहे सामने आने वाले आंकड़े बताते हैं कि विधायक व सांसद बनने के बाद उनकी आय दिन दोगुनी-रात चौगुनी गति से बढ़ती है। अगले चुनाव में वे अपनी संपत्ति का जो दिखाई दे सकने वाला ब्योरा जारी करते हैं, उसमें यह समृद्धि स्पष्ट नजर आती है।

> **“ समाज को यह भी संदेश देती है कि हम छोटे-छोटे लालचों के लिये कैसे पार्षद चुनते हैं। जाति, धर्म व क्षेत्र तथा संकुचित आकांक्षाओं के लिये घटिया प्रतिनिधियों को स्थानीय निकायों में अपने हितों पर कुठाराघात के लिये चुनते हैं। यह तो भविष्य बताएगा कि आने वाले समय में इन पार्षदों के खिलाफ पार्टी विशेष की तरफ से क्या कार्रवाई होती है, लेकिन यह घटना भारतीय समाज में घर करते भ्रष्टाचार की एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को जरूर उजागर कर गयी। जब देश आजाद हुआ तो राजस्थान में एक विधायक ऐसा चुना गया, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण में शामिल होने का बस किराया भी नहीं था। बाद में लोगों ने चंदा एकत्र करके उस विधायक को जयपुर भेजा था।**

निस्संदेह हम जानते हैं कि हमारी व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। तमाम अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में भ्रष्टाचार की वैश्विक सूची में हमारी स्थिति शर्मसार करने वाली है। लेकिन भ्रष्टाचार को लेकर हमारी उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण है, सरकारों के स्तर पर भी और समाज के भी। बहरहाल, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की नगर परिषद के पार्षदों द्वारा हाथ में जल लेकर ऊपरी कमाई को ईमानदारी से बांटने की खबर परेशान करती है। यह घटना सवाल उठाती है कि नगर निगमों की जो बदहाली है उसके मूल में क्या यह निगम की आय की बंदरबांट ही है? सवाल यह भी है कि जिस दल के ये पार्षद हैं उसने क्या ऊपरी कमाई के लिए शपथ मामले में कोई कार्रवाई की? प्रश्न यह भी कि जिला प्रशासन ने इस मामले में कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? जैसे कि अक्सर ऐसे मामलों में कार्रवाई करने के बजाय सिर्फ लीपापोती ही होती है, इस मामले में भी ऐसा हुआ है। शीर्ष अधिकारी की दलील थी कि इस संदर्भ में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। क्या समाज हित में स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं की जा सकती? प्रश्न यह भी कि क्या कोई विपक्षी दल का नेता अपने राजनीतिक नफा-नुकसान के लिए मामला दर्ज कराएगा तभी ऐसे मामले में कार्रवाई होगी? बड़ा सवाल इस मामले में समाज की उदासीनता का भी है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि समाज में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार ऐसे लोगों के साथ अन्याय होता है जिनका इसमें कोई कसूर नहीं होता। लेकिन उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। यह भी कि व्यक्ति भ्रष्टाचार के खिलाफ तब आवाज उठाता है जब वह पीड़ित होता है। अन्यथा वह इसे नजरअंदाज कर देता है। बल्कि बहुत सारे लोग इसे सुविधा शुल्क के रूप में स्थापित करने की कुत्सित कोशिश भी करते हैं। जब तक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रतिरोध के सुर प्रबल नहीं होते हमारे समाज में यह संकट बना रहेगा।

इंसानी नादानी से उपजी चुनौती और हमारा दायित्व

डॉ. सुशील द्विवेदी

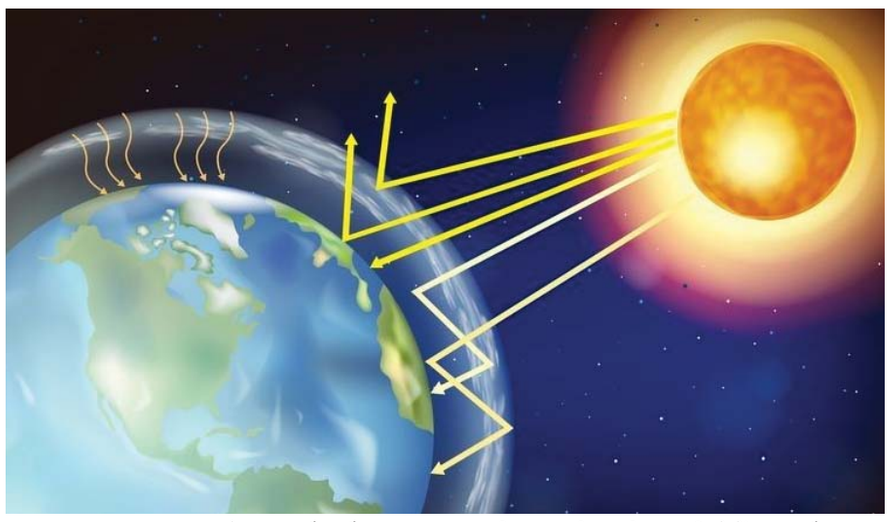

ओजोन परत सूर्य की हानिकारक यूवी किरणों से पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करती है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की सफलता के बावजूद, नए उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन गंभीर चुनौतियां बने हुए हैं।

पृथ्वी के समतापमंडल में मौजूद ओजोन परत सूर्य से आने वाले हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण का बड़ा हिस्सा सोखकर मनुष्य, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को सुरक्षा प्रदान करती है। यह पृथ्वी का एक ऐसा अदृश्य सुरक्षा कवच है जिसकी मौजूदगी का अहसास हमें सामान्य दिनों में नहीं होता, लेकिन इसके कमजोर पड़ने का असर पूरी जैविक दुनिया के अस्तित्व पर पड़ सकता है। आसमान की ओर देखने पर नीला विस्तार दिखाई देता है, लेकिन उस नीले आकाश के ऊपर मौजूद यह ढाल जीवन की कल्पना को संभव बनाती है।

इसीलिए 16 सितंबर केवल पर्यावरण से जुड़ी एक औपचारिक तारीख नहीं है। यह उस अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और राजनीतिक प्रयास की याद दिलाता है, जिसने दुनिया को यह सिखाया कि यदि विज्ञान समय रहते खतरे की पहचान करे और सभी देश मिलकर कार्रवाई करें, तो वैश्विक पर्यावरणीय संकट को पलटा भी जा सकता है। वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अस्तित्व में आया और उसके बाद ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन तथा उपभोग को चरणबद्ध तरीके से कम किया गया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम 'ग्लोबल एक्शन फॉर कूलर प्लेनेट' यानी ठंडी और अधिक टिकाऊ पृथ्वी के लिए वैश्विक कार्रवाई रखी गई है। यह थीम मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के दस वर्ष पूरे होने से भी जुड़ी है, जिसने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन यानी एचसीएफसी और एचएफसी को चरणबद्ध रूप से कम करने और अधिक ऊर्जा-कुशल शीतलन व्यवस्था की दिशा में दुनिया को आगे बढ़ाया है।

यहां एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अंतर समझना जरूरी है कि हर ओजोन परत समान नहीं होती। समतापमंडल का ओजोन हमारा रक्षक है, जबकि धरातल के पास बनने वाला ट्रोपोस्फेरिक ओजोन वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण घटक है और मानव स्वास्थ्य तथा वनस्पतियों के लिए हानिकारक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में बढ़ती गर्मी, जंगलों की आग और वायुमंडलीय रसायन इन दोनों स्तरों की जटिलताओं को और अधिक महत्वपूर्ण बना रहे हैं।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कारण लगभग 99 प्रतिशत नियंत्रित ओजोन-क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध किया जा चुका है और वैज्ञानिक आकलन लंबे समय से ओजोन परत के पुनरुद्धार की दिशा में प्रगति की पुष्टि करते रहे हैं। हालांकि, 'नेचर कम्यूनिकेशन' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग अपेक्षा से कहीं अधिक उत्सर्जन पैदा कर सकता है। यदि ये उत्सर्जन वर्तमान स्तरों पर जारी रहे, तो मध्य-अक्षांशों में ओजोन परत की रिकवरी लगभग 7 वर्ष तक पीछे खिसक सकती है।

इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने पूर्वी एशिया में हैलॉन-2402 नामक शक्तिशाली ओजोन-क्षयकारी पदार्थ के उत्सर्जन में फिर से बढ़ोतरी के प्रमाण पाए हैं। अध्ययन के अनुसार 2008 से 2023 के बीच पूर्वी एशिया से इसके उत्सर्जन का संचयी अनुमान लगभग 52 गीगाग्राम सीएफसी-11 इक्विवेलेंट रहा और 2015 के बाद इस क्षेत्र के उत्सर्जन ने वैश्विक प्रवृत्ति को प्रभावित किया है।

अगस्त 2026 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि वैज्ञानिकों ने उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर लगभग 21 से 23 किलोमीटर की ऊंचाई पर असामान्य रूप से अधिक ओजोन की एक मोटी परत देखी। यह संरचना पूर्वी भारत के लिए सामान्य मात्रा से काफी अधिक थी और एक दिन से ज्यादा समय तक बनी रही। भारतीय वैज्ञानिकों ने देशभर के वायुमंडलीय रडार, मौसम गुब्बारों, उपग्रहों और वायुमंडलीय मॉडलों को एक साथ इस्तेमाल किया। नैनीताल स्थित आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज के स्वदेशी रडार सहित कई केंद्रों से मिले आंकड़ों ने वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद की कि वायुमंडल में ओजोन का परिवहन किस तरह होता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार इस घटना के पीछे ओजोन-समृद्ध वायु का परिवहन, उसके बाद नीचे की ओर वायुमंडलीय गति और वायु-द्रव्यमान का संपीड़न प्रमुख कारण थे। यह उदाहरण बताता है कि ओजोन परत कोई स्थिर, समान मोटाई वाली चादर नहीं है। वायुमंडलीय परिसंचरण, हवाएं, तापमान और रासायनिक प्रक्रियाएं लगातार इसकी संरचना और वितरण को प्रभावित करती हैं।

भारत और नेपाल का पर्यावरणीय भविष्य अलग-अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। नेपाल में ऊंचाई के कारण पराबैंगनी विकिरण का सवाल विशेष महत्व रखता है। नेपाल के भैरहवा, पोखरा और लुम्ले में किए गए एक अध्ययन में यूवी इंडेक्स में उल्लेखनीय मौसमी और स्थानिक अंतर दर्ज किए गए। विशेष रूप से अधिक ऊंचाई वाले लुम्ले और पोखरा में कुछ अवधियों के दौरान यूवी इंडेक्स काफी ऊंचा पाया गया। इसका मतलब यह नहीं कि नेपाल या हिमालय में ओजोन परत खत्म हो रही है, बल्कि संदेश यह है कि ऊंचाई, सूर्य की स्थिति, बादल, वायुमंडलीय संरचना और ओजोन की मात्रा मिलकर सतह तक पहुंचने वाले यूवी विकिरण को प्रभावित करते हैं। इसलिए हिमालयी देशों को स्थानीय यूवी निगरानी, मौसम विज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी प्रणालियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भारत और नेपाल के लिए यह सहयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन तेजी से बदलती परिस्थितियां पैदा कर रहा है।

दक्षिण एशिया में गर्मी लगातार बढ़ रही है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर और शीतलन प्रणालियों की मांग भी तेजी से बढ़ेगी। भारत और नेपाल जैसे तेजी से विकसित हो रहे देशों के सामने चुनौती दोहरी है—एक तरफ लोगों को सुरक्षित और सस्ता शीतलन उपलब्ध कराना और दूसरी तरफ ऐसी तकनीक अपनाना जो जलवायु तथा ओजोन दोनों के लिए सुरक्षित हो। यहीं किगाली संशोधन का महत्व सामने आता है। एचएफसी ओजोन परत को सीधे नष्ट नहीं करते, लेकिन उनमें से कई शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें हैं। इसलिए अगली पीढ़ी की चुनौती केवल ओजोन-क्षयकारी गैसों को हटाना नहीं, बल्कि कम ग्लोबल-वॉर्मिंग क्षमता वाली और अधिक ऊर्जा-कुशल शीतलन तकनीक विकसित करना है।

लेखक विज्ञान और पर्यावरण मामलों के जानकार हैं।

नई पीढ़ी को नरेंद्र मोदी से मिले उड़ान के लिए पंख

पी.वी. सिंधु

क्या होता अगर दस साल पहले कोई भारतीय युवा लड़की कहती कि उसे रॉकेट बनाना है। उसे इसरो में शामिल होकर नहीं, बल्कि अपना खुद का रॉकेट बनाना है। ऐसी स्थिति में शायद उसके आसपास के लोग खामोश रह जाते। फिर कोई बहुत सहानुभूति से उसे समझाता कि यह उसके बस की बात नहीं है। वह समझाता की अंतरिक्ष पर सिर्फ सरकार का हक होता है। इतने बड़े सपने तो दूसरे देशों के लोगों के लिए होते हैं।

18 जुलाई, 2026 को एक प्राइवेट भारतीय कंपनी का बनाया रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच गया। इस रॉकेट को स्काईरूट ने बनाया था, जिसकी बुनियाद दो नौजवान इंजीनियरों ने रखी थी। दोनों ने अपने सुरक्षित काम छोड़ कर इस लगभग नामुमकिन सपने को सच करने की ठान रखी थी। स्काईरूट की इस कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया के उन सिर्फतीन देशों में शामिल हो गया जहां किसी आम नागरिक की प्राइवेट कंपनी अंतरिक्ष तक पहुंच सकती है। इस कामयाबी को हासिल करने वाले बाकी दो देश अमेरिका और चीन हैं। वह लड़की, जिसके सपने के पूरा होने का किसी को भी भरोसा नहीं था, अब कह सकती है- ''मैं एलन मस्क बनना चाहती हूं। यह कोई नारा नहीं, बल्कि मेरा पक्का इरादा है।'' बेशक, वह अपने सपने को पूरा करने की यात्रा को शुरू कर सकती है।

पिछले दस वर्षों में हमारे देश में प्रतिभाओं में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत के पास काबिलियत हमेशा से थी। जो चीज़ बदली, वह था अवसर। हमारे इतिहास में ज्यादातर समय किसी बड़े सपने का जवाब यह होता था कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। इसलिए नहीं कि काबिलियत में कोई कमी थी। इसलिए कि मंजिल तक पहुंचने का दरवाजा ही बंद था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सबसे खामोश और सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि अब वह दरवाजा खुल चुका है।

इस बदलाव की गहराई को समझना बहुत जरूरी है। दशकों तक भारत में हर बड़े सपने को रुकावटों का सामना करना पड़ता था। कोई भी अहम काम करने के लिए आपको लाइसेंस, मंजूरी, जान-पहचान या प्रभावशाली परिवार के नाम की जरूरत पड़ती थी। देश में सपने देखने वालों की कभी कोई कमी नहीं थी। कमी थी तो सिर्फदरवाजों की। और जब दरवाज़े कम हों तो वे सबसे पहले उनके लिए खुलते हैं जिनके पास पहले से चाबियां होती हैं।

नौजवान, गरीब और वे लोग दरवाज़े के बाहर ही इंतज़ार करते रह जाते थे जिनके पास कोई बड़ी पहचान नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बंद दरवाजे को देखा और समझा कि असल में इसके क्या कारण थे। उन्होंने इस बदलाव को एक ही लाइन में बयान किया- सरकार का रवैया 'जब तक इजाज़त न हो, तब तक पाबंदी' से बदल कर 'जब तक मना न हो, तब तक इजाज़त' हो गया है। उनके पूरे दशक के काम के पीछे एक पक्का संकल्प रहा है- पाबंदियों की इस दीवार को गिराना और उसकी जगह खुले दरवाज़ों वाला देश बनाना। ऐसा देश जहां इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसकी संतान हैं। फर्क इससे पड़ता है कि आप क्या बनाने की काबिलियत रखते हैं।

जरा गौर करें कि क्या-क्या खुल गया है। अंतरिक्ष पर 60 साल तक सरकार का

एकाधिकार रहा। 2020 में उसे उन सबके लिए खोल दिया गया जिनके पास रॉकेट छोड़ने की योग्यता थी। फिर हमारे खेतों के ऊपर का आसमान खुला। उस रूल बुक को फाड़ कर फेंक दिया गया जिसके मुताबिक एक छोटे से ड्रोन को उड़ाने के लिए दर्जनों कागज़ात और इजाज़तों की ज़रूरत पड़ती थी। अब किसी छोटे शहर का कोई नौजवान अपना ड्रोन बना सकता है। उसे फोन के जरिए रजिस्टर कर अपना कारोबार शुरू कर सकता है। गांवों की हज़ारों महिलाओं के हाथों में ड्रोन सौंप दिए गए जिससे भविष्य का एक हिस्सा उनकी आजीविका का जरिया बन गया।

इनमें से कुछ बदलाव बहुत दबे पांव आए लेकिन उनकी अहमियत उतनी ही ज्यादा थी। 2021 में मानचित्रों को मुक्त कर दिया ताकि किसी भारतीय कंपनी को उस देश का सर्वे करने के लिए किसी मंजूरी की ज़रूरत नहीं पड़े जिसमें वह पहले से काम कर रही है। 2023 में एक ही कानून के ज़रिए सैकड़ों कानूनों में बदलाव किया गया। इस कानून के जरिए एक हज़ार से ज्यादा वैसे मामलों में आपराधिक सजा के प्रावधान को खत्म कर दिया गया जिनका संबंध कागजी औपचारिकताओं से था। उद्देश्य यह था कि सिर्फएक फॉर्म छूट जाने पर किसी को जेल नहीं जाना पड़े।

2014 में अंतरिक्ष से संबंधित सिर्फ एक स्टार्टअप था। लेकिन आज भारत में ऐसे लगभग 440 स्टार्टअप हैं। उस समय कोई भी ड्रोन स्टार्टअप नहीं था मगर अब इनकी संख्या सैंकड़ों में पहुंच चुकी है।

लेकिन सिर्फ दरवाजे खोलना अधूरी बात होगी। एक खुले दरवाज़े का कोई फायदा नहीं अगर वहां तक पहुंचने का आपके पास कोई रास्ता ही न हो। यहीं पर इस सोच की न्यायसंगतता नजर आती है। 2016 में स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के समय देश में करीब 350 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे। आज इनकी संख्या दो लाख से ज्यादा है और इन्होंने बीस लाख से ज्यादा नौकरियां सृजित की हैं। ये अब सिर्फ़ बैंगलोर या दिल्ली तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि देश के हर कोने में छोटे शहरों और कस्बों तक पहुँच चुके हैं, जिनमें से एक लाख से भी अधिक की शुरुआत महिलाओं द्वारा की गई है।

ये ऋण खास तौर पर उन लोगों के लिए थे जिन्हें पुरानी व्यवस्था में नज़रअंदाज़ किया गया था जैसे दलित और आदिवासी परिवारों के पहली बार व्यवसाय शुरू करने वाले लोग और महिलाएँ। साथ ही, करोड़ों ऐसे भारतीय जिनके पास कभी बैंक खाता नहीं था, उन्हें आखिरकार इस दायरे में लाया गया, जहाँ एक साधारण फोन ही बैंक बन गया। आज एक सब्जी बेचने वाला और एक स्टार्ट-अप का संस्थापक दोनों एक ही तरीके से पैसे का लेन-देन करते हैं।

युवाओं को पढ़ाने के तरीके पर भी नए सिरे से सोचा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उस व्यवस्था को बदल दिया है जिसके तहत 16 साल के छात्र को किसी एक विषय (स्ट्रीम) में जबरदस्ती दाखिल करा दिया जाता था, जो उसे जीवन भर की सजा की तरह लगता था लेकिन अब यह जीवन भर की सजा की तरह नहीं रहा। अब छात्र ऐसे विषयों को एक साथ पढ़ सकते हैं जिन्हें पहले कभी साथ नहीं पढ़ाया जाता था, किसी डिग्री को बीच में छोड़कर वहीं से दोबारा शुरू कर सकते हैं और देश से बाहर जाए बिना ही विश्वस्तरीय पढ़ाई कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया भर के विश्वविद्यालयों ने अब यहीं अपने कैंपस खोलना शुरू कर दिया है।

यह सब एक ही बात की ओर इशारा करता है, एक ऐसा देश जिसने आखिरकार अपने युवाओं पर भरोसा करने का फ़ैसला किया है। हमारे इतिहास के ज़्यादातर समय में, हमारी सबसे प्रतिभाशाली पीढ़ी को लगता था कि कुछ ठोस करने के लिए उन्हें विदेश जाना होगा। हमने उन्हें धीरे-धीरे, साल-दर-साल उन देशों के हाथों खो दिया, जिनके पास ऐसे अनेक अवसर थे जो हमारे पास नहीं थे। यहाँ अंतरिक्ष से लेकर सिलिकॉन तक, सॉफ्टवेयर से लेकर कक्षाओं तक, उन दरवाज़ों को खोलकर इस नेतृत्व ने उस प्रतिभा को देश में रुकने की एक वजह दी है और यहाँ तक कि घर वापस लौटने का एक कारण भी दिया है। भविष्य का निर्माण करना अब कोई ऐसा काम नहीं रहा जिसके लिए आपको भारत छोड़ना पड़े। अब देश में ही रहकर यह काम कर सकते हैं।

(लेखक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता है और वर्तमान में आंध्र प्रदेश सरकार में डिप्टी कलेक्टर के पद पर कार्यरत है।)

मानवता पर मंडराता छिपी भूख का संकट

मुकूल व्यास

जलवायु परिवर्तन और आधुनिक खेती के कारण हमारी थालियों में पोषण की भारी कमी हो रही है, जिसे 'छिपी हुई भूख' कहा जाता है। इस गंभीर वैश्विक संकट से निपटने के लिए पारंपरिक खेती के साथ-साथ अब जीन-संपादन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाना समय की बड़ी मांग बन चुका है।

भरपेट भोजन के बाद हम तृप्त हो जाते हैं, लेकिन एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारी थाली में पौष्टिक तत्व समुचित मात्रा में मौजूद हैं? दुनिया में आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा महत्वपूर्ण विटामिन और खनिज पदार्थों से वंचित है। हैरानी की बात यह है कि यह समस्या उन वजहों से बढ़ रही है जिनका लोगों की खाने-पीने की पसंद से कोई लेना-देना नहीं है। इसका जवाब उन फसलों में छिपा है जिन पर लगातार गर्म माहौल का असर पड़ रहा है। दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी में विटामिन बी2, बी9, सी और ई के साथ-साथ कैल्शियम, आयरन और आयोडीन जैसे खनिजों की कमी पाई गई है। यह कमी सिर्फ गरीब देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अमीर देशों में भी देखी जा सकती है। आहार विज्ञानी इसे 'छिपी हुई भूख' कहते हैं और यह कैलोरी की कमी से नहीं, बल्कि विटामिन और खनिजों की कमी से उपजती है।

दुनिया की मुख्य फसलों में पके हुए सफेद चावल से सबसे कम पोषक तत्व मिलते हैं। पौष्टिकता के मामले में यह मक्का और गेहूं दोनों से काफी पीछे है। यह एक गंभीर समस्या है, क्योंकि अरबों लोगों के लिए रोजाना मिलने वाली कैलोरी का सबसे बड़ा स्रोत चावल ही है। एशिया के ज्यादातर हिस्सों में चावल की तीन पूरी थालियां खाने वाले व्यक्ति को जरूरी विटामिन और खनिज की सही मात्रा नहीं मिल पाती। चावल पेट तो भर देता है, लेकिन पोषण की ऐसी कमी छोड़ जाता है जिसे सामान्य मात्रा में खाने से पूरा नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन अब इस बुरी स्थिति को और भी बदतर कर रहा है। जैसे-जैसे हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, अनाज में जमा होने वाले प्रोटीन, बी ग्रुप के विटामिन और खनिजों की मात्रा कम होती जा रही है।

एक अनुमान है कि चावल की गुणवत्ता में आ रही इस गिरावट के कारण 2050 तक 23.9 करोड़ लोग फोलेट की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे उन 2.5 अरब लोगों में शामिल हो जाएंगे जिन्हें पहले से ही पर्याप्त फोलेट नहीं मिल रहा है। ध्यान रहे कि फोलेट एक ऐसा बी-विटामिन है जिसके बिना शरीर का काम नहीं चल सकता। एक नए अध्ययन में जर्मनी के लीबनज इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री के शोधकर्ताओं ने पौधों को जीवित रखने वाली चीजों और लोगों को स्वस्थ रखने वाली चीजों के बीच एक हैरान करने वाली समानता पाई है। जिन विटामिनों पर हमारा शरीर निर्भर करता है, वही विटामिन मुश्किल हालात में जीवित रहने के लिए पौधों के भी काम आते हैं।

थायमिन (विटामिन बी1) से उपचारित फसलें उन फसलों के मुकाबले सूखे का बेहतर सामना करती हैं जिनमें यह नहीं होता। फोलिक एसिड और राइबोफ्लेविन पौधों को सूखे और खारी मिट्टी जैसी मुश्किल स्थितियों से निपटने में मदद करते हैं। ज्यादा पोषण वाली फसलें खराब मौसम का भी बेहतर ढंग से सामना कर सकती हैं। जलवायु परिवर्तन खाद्य आपूर्ति पर दोहरी मार करता है। यह उन फसलों से पोषक तत्व छीन लेता है जो खेतों में उगती हैं और ठीक उसी समय उन खेतों पर सूखा, गर्मी और बाढ़ का कहर भी बरपाता है।

पिछली सदी में पौधों के प्रजनकों ने बाकी चीजों के मुकाबले अधिक पैदावार पर ही सबसे ज्यादा ध्यान दिया। 1960 के दशक की हरित क्रांति ने ठीक यही किया, जिससे पूरे एशिया में गेहूं, चावल और मक्के की पैदावार दोगुनी हो गई। पैदावार बढ़ने से एक अरब से ज्यादा लोगों को भुखमरी से बचाने में मदद मिली। फिर भी, मात्रा पर अधिक जोर दिए जाने से किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसलों का पोषण मूल्य कम हो गया। पारंपरिक क्रॉस-ब्रीडिंग से कुछ पोषक तत्वों की मात्रा थोड़ी बढ़ाई जा सकती है, जैसा कि बीन्स और गेहूं की फसलों में आयरन और जिंक के मामले में हुआ है। लेकिन यह ऐसा विटामिन नहीं जोड़ सकती जिसे बनाने की क्षमता पौधे के जीन्स में कभी थी ही नहीं। यह तरीका इतना धीमा है कि निराशा होती है। एक बेहतर किस्म को किसान के खेत तक पहुंचने में 8 से 15 साल तक लग सकते हैं।

आनुवंशिक इंजीनियरिंग के नए टूल एक साथ कई पुरानी बाधाओं को तोड़ते हैं। वे क्रॉस-ब्रीडिंग की तुलना में बहुत तेजी से काम करते हैं और उनमें ऐसी सटीकता होती है जो क्रॉस-ब्रीडिंग में कभी नहीं मिल सकती। आनुवंशिक इंजीनियरिंग का सबसे मशहूर उत्पाद 'गोल्डन राइस' है, जिसके दानों का रंग हल्का सुनहरा होता है क्योंकि उनमें प्रो-विटामिन ए होता है। इस फसल को एशिया के कुछ हिस्सों में विटामिन ए की कमी से बच्चों में होने वाले अंधेपन से लड़ने के लिए विकसित किया गया था। पौधों की पौष्टिकता बढ़ाने में क्रिस्पर जीन संपादन तकनीक उपयोगी हो सकती है। क्रिस्पर आधारित चावल की एक किस्म के दानों में पहले से ही अधिक आयरन और जिंक होता है। इस तरह से बनाई गई नई किस्म सिर्फ 2 से 6 साल में तैयार हो सकती है, जो पुराने तरीकों में लगने वाले समय का बहुत छोटा हिस्सा है।

लंबे समय तक कड़े नियमों ने इन तरीकों पर रोक लगाए रखी। यूरोप में यह रोक सबसे ज्यादा थी। आनुवंशिक रूप से संशोधित पौधे की खेती के लिए मंजूरी मिलने में आसानी से एक दशक से ज्यादा का समय लग सकता है। जून, 2026 में यूरोपीय संसद ने नियमों का एक संशोधित सेट अपनाया, जिसके तहत कई जीन-संपादित फसलों के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता है जैसा पारंपरिक रूप से विकसित फसलों के साथ किया जाता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि नए टूल जैविक रूप से संवर्धित फसलों के विकास में तेजी लाने और छिपी हुई भूख से प्रभावी ढंग से निपटने का एक शानदार अवसर प्रदान करते हैं। उनका कहना है कि सिर्फ एक तरीका काफी नहीं है। इनमें से कोई भी तरीका अकेले पोषक तत्वों की कमी को खत्म नहीं कर सकता, इसलिए नए अध्ययन में इन सभी तरीकों का इस्तेमाल करने की बात कही गई है। पारंपरिक ब्रीडिंग पर लोगों का भरोसा आज भी बना हुआ है, जबकि जीन एडिटिंग से वह तेजी मिलती है जिसकी धीमी क्रॉस-ब्रीडिंग कभी उम्मीद भी नहीं कर सकती थी। जलवायु परिवर्तन से बदलती दुनिया में प्रजनकों को ऐसी फसलें विकसित करनी होंगी जो ज्यादा पोषक तत्वों से भरपूर हों और बदलते कठोर मौसम में भी मजबूती से टिकी रह सकें।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

श्री श्री विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर होगा भव्य लाइट एंड साउंड एवं लेजर शो

भिलाई। श्री श्री विश्वकर्मा पूजा 2026 के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा 17 सितंबर 2026 को शाम 7 बजे से भव्य लाइट एंड साउंड एवं लेजर शो का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में आयोजित होगा। छत्तीसगढ़ की प्राचीन भव्यता से लेकर वर्तमान परिदृश्य तक की कालजयी यात्रा को विद्यालयीन प्रतिभाओं, स्थानीय कलाकारों एवं तकनीशियनों के समूह के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विकास यात्रा एवं विविधताओं को रोचक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में लाइट, साउंड एवं लेजर की आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाएगा, जो प्रस्तुति को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करेगा। तकनीक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के समन्वय से तैयार यह कार्यक्रम दर्शकों के लिए एक विशेष अनुभव होगा। श्री श्री विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

बिजली उपभोक्ताओं पर स्मार्ट मीटर का बोझ थोपना बंद करे सरकार : अरुण वोरा

दुर्ग। बिजली के स्मार्ट मीटर लगाए जाने के फैसले को लेकर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर आम उपभोक्ताओं की जेब पर किसी भी तरह का अतिरिक्त बोझ डालने की कोशिश कांग्रेस किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। एक कार्यक्रम के दौरान जब अरुण वोरा आम लोगों के बीच पहुंचे तो कई बिजली उपभोक्ताओं ने उन्हें रास्ते में रोककर स्मार्ट मीटर को लेकर अपनी परेशानियां बताईं। लोगों ने वोरा से कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बढ़ते बिलों को लेकर वे चिंतित हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आखिर बिजली की खपत के अनुरूप बिल इतना अधिक क्यों आ रहा है। अरुण वोरा ने कहा कि पहले ही महंगाई की मार झेल रही जनता को अब बिजली के मीटर बदलने के नाम पर नई व्यवस्था में धकेला जा रहा है।

निधन

वी. सोमशेखर राव

भिलाई। हैदराबाद निवासी एवं व्यवसायी वी. सोमशेखर राव का सोमवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार विधि विधान से किया गया। वे श्रीमती नागराज लक्ष्मी के पति एवं वी. उमेश के पिता एवं पत्रकार आर.एन. रामा राव के जीजा थे।

संवत्सरीः इतिहास, प्रेरणा और आत्मानुभूति का महान पर्व : राष्ट्र संत डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आध्यात्मिक वातावरण में चल रहे पर्युषण पर्व का आज अंतिम दिवस संवत्सरी महापर्व के रूप में श्रद्धा, साधना, तपस्या, त्याग और आत्मचिंतन के साथ मनाया गया। इसी श्रृंखला में जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में भी पर्युषण पर्व के दौरान धर्म-ध्यान, त्याग, तपस्या एवं जप-अनुष्ठान की आराधना निरंतर चलती रही।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्र संत डॉ.

मणिभद्र मुनि जी महाराज ने कहा कि मानव स्वभाव से आनंद-पिपासु और उत्सवप्रिय है, लेकिन गृहस्थ जीवन की अनेक चिंताएं उसे चारों ओर से घेरे रहती हैं। जब मनुष्य इन चिंताओं से मुक्त होकर आनंद में निमग्न होता है, तब जीवन में एक नई बहार आती है और जीवन के प्रत्येक क्षण में आनंद की अनुभूति होने लगती है। ऐसी आनंदमयी तिथियों को ही पर्व कहा जाता है।

उन्होंने कहा कि हर देश और हर समाज में पर्व आनंद एवं उल्लास के साथ मनाए जाते हैं। किसी समाज की जीवंतता और उत्साह का आकलन उसके पर्व एवं त्योहारों से किया जा सकता है। भारत का सौभाग्य है कि यह ऋषि एवं कृषि की भूमि होने के साथ-साथ उत्सवों और त्योहारों की भी भूमि है। यहां पर्वों की समृद्ध परंपरा रही है। 'सात वार नौ त्योहार' की लोकोक्ति भी भारत की इसी उत्सवप्रिय संस्कृति को दर्शाती है। संवत्सरी महापर्व के अवसर पर धर्मसभा में तपस्या करने वाले साधकों का अभिनंदन भी किया गया। इस दौरान पारिवारिक रिश्तों में तपस्या के प्रति श्रद्धा और सम्मान का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। मामा-भांजे, देवरानी-जेठानी, पिता-पुत्र, भाई-भाई, पति-पत्नी तथा सास-बहू की जोड़ियों ने एक-दूसरे की तपस्या का अभिनंदन कर साधकों का उत्साहवर्धन किया। मामा-भांजे की जोड़ी में कांतिलाल पारख ने विक्रम, देवरानी-जेठानी की जोड़ी में इंदिरा ने सरल बोहरा, पिता-पुत्र की जोड़ी में राकेश ने प्रतीक संचेती, पति-पत्नी की जोड़ी में विक्रम ने स्वीटी एवं रोशन ने तनुश्री भंडारी, तथा सास-बहू की जोड़ी में इंदिरा ने युक्ति की तपस्या का अभिनंदन किया।

इसी क्रम में श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल के प्रमुख सदस्य अमन सुराणा ने 15 उपवास की साधना पूर्ण की। वहीं टोनू छाजेड़, विक्रम पारख, सिद्धार्थ चौरड़िया, अंकित रतन बोहरा एवं प्रणब संचेती ने आठ-आठ उपवास की कठिन साधना संपन्न की।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को मिला वर्ष 2025-26 के लिए 'सर्वश्रेष्ट' की श्रेणी में 'नराकास प्रोत्साहन सम्मान'

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 14 एवं 15 सितंबर 2026 को सिडको प्रदर्शनी केन्द्र, वाशी, नवी मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित अखिल भारतीय हिंदी दिवस-2026 एवं 'छठे राजभाषा सम्मेलन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग को वर्ष 2025-26 के लिए राजभाषा नीति के अत्यंत प्रभावी, परिणामदायी एवं अनुकरणीय कार्यान्वयन के लिए 'सर्वश्रेष्ट नराकास' की श्रेणी में 'नराकास प्रोत्साहन, सम्मान' प्रदान किया गया।

समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की, विशिष्ट अतिथि थे, देवेन्द्र फड़नवीस, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र तथा उप मुख्यमंत्री द्वय सुनेत्रा पवार एवं एकनाथ शिंदे। अंशुली आर्या, सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के करकमलों से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग के लिए यह पुरस्कार महाप्रबंधक (मानव संसाधन), भिलाई इस्पात संयंत्र, श्री राजीव कुमार एवं तत्कालीन सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग ने ग्रहण किया। श्री जितेन्द्र दास मानिकपुरी, उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन -राजभाषा), भिलाई इस्पात संयंत्र ने नराकास के लिए प्रमाण पत्र ग्रहण किया।

पुरस्कार प्राप्ति पर चित्त रंजन महापात्र, निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं अध्यक्ष, 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग', पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) भिलाई इस्पात संयंत्र एवं अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क व प्रशासन एवं जनसंपर्क), भिलाई इस्पात संयंत्र ने बधाई दी है तथा इसे समिति के सभी सदस्य संस्थानों के हिंदी के प्रति अनुराग, समर्पण, राजभाषा नीति का अनुपालन एवं हिंदी में समस्त कार्यालयीन कार्य करने की प्रतिबद्धता का परिणाम बताया है।

उल्लेखनीय है कि, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग में केन्द्र सरकार के 49 सदस्य संस्थान हैं, जिनमें उपक्रम, विभाग, प्रतिष्ठान, बैंक एवं बीमा कंपनियां शामिल हैं। हिंदी दिवस-2026 एवं 'छठे राजभाषा सम्मेलन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग के सदस्य संस्थानों के संस्थान प्रमुखगण, राजभाषा अधिकारीगण एवं राजभाषा से जुड़े कार्मिकों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज़ की। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा देश भर के उपक्रमों, प्रतिष्ठानों एवं विभागों में समस्त कार्यालयीन कामकाज राजभाषा हिंदी में किया जाना सुनिश्चित करने तथा केन्द्र सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु पूरे भारत के विभिन्न नगरों में कुल 592 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है।

बीएसपी की महाप्रबंधक काकोली रॉय ने सेना के अधिकारियों को 'एजाइल पब्लिक प्रोक्योरमेंट' पर दिया व्याख्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की महाप्रबंधक काकोली रॉय ने 14 सितंबर 2026 को मिलिट्री कॉलेज ऑफ मैटेरियल्स मैनेजमेंट, जबलपुर में आयोजित एडमिनिस्ट्रेशन एवं लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों को 'एजाइल पब्लिक प्रोक्योरमेंट: बैलेंसिंग अकाउंटेबिलिटी विद स्पीड इन पीएसयूज' विषय पर व्याख्यान दिया। मिलिट्री कॉलेज ऑफ मैटेरियल्स मैनेजमेंट द्वारा आयोजित इस पाठ्यक्रम में भारतीय सेना एवं नौसेना के विभिन्न अंगों से चयनित अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। पाठ्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को प्रशासन एवं लॉजिस्टिक्स से संबंधित महत्वपूर्ण दायित्वों के प्रभावी निर्वहन के लिए आवश्यक ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना है।

अपने व्याख्यान के दौरान सुश्री काकोली रॉय ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में खरीद प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने खरीद प्रक्रिया में जवाबदेही, पारदर्शिता एवं प्रक्रियागत अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ कार्य की गति एवं दक्षता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बदलते औद्योगिक एवं व्यावसायिक परिवेश में त्वरित और प्रभावी सार्वजनिक खरीद की आवश्यकता पर भी अपने विचार साझा किए। काकोली रॉय ने भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में खरीद प्रक्रियाओं से जुड़े अपने व्यावहारिक अनुभव एवं विभिन्न उदाहरणों को साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार प्रक्रियागत आवश्यकताओं और परिचालन संबंधी तात्कालिकताओं के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। व्याख्यान के उपरांत एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षु अधिकारियों ने सार्वजनिक खरीद, प्रक्रियागत आवश्यकताओं, जवाबदेही तथा कार्यकुशलता से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की और अपने प्रश्न रखे।

तीजा मातृशक्ति के त्याग, समर्पण और अटूट आस्था का प्रतीक : ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मरोदा टैंक स्थित मां कल्याणी शीतला मंदिर परिसर में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तीजा पर्व के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए और माताओं एवं बहनों को करु-करेला भात का वितरण कर तीजा पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने माताओं-बहनों से आत्मीय भेंट करते हुए कहा कि तीजा पर्व छत्तीसगढ़ की संस्कृति में मातृशक्ति के त्याग, समर्पण और अटूट आस्था का प्रतीक है। यह पर्व हमारे पारिवारिक मूल्यों और लोक परंपराओं को सशक्त करने का कार्य करता है। माताओं-बहनों का व्रत, त्याग और उनका आशीर्वाद परिवार एवं समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को तीजा पर्व एवं गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे पारंपरिक पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए

रखने के साथ समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और पारिवारिक एकता को भी मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में मां शीतला कल्याणी मंदिर के अध्यक्ष शैलेन्द्र सेंडे, महापौर शशि सिन्हा, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, महामंत्री गुड्डू झा, मंडल उपाध्यक्ष सविता महिलांग, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शकुंतला दास, अनुपमा गोस्वामी, राजेश्वरी पसीने, संध्या वर्मा सहित पार्षदगण चंदेश्वरी बांधे, ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, शीतल चेलक, तेजस्वी सोनवानी, प्रमोद साहू, राजा डहरिया एवं हिमांशु शुक्ला सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

17 सितंबर को रिसाली दशहरा मैदान में जगमगाएंगे सेवा और संकल्प के 51 हजार दीप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के गौरवशाली सार्वजनिक सेवा जीवन को समर्पित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 17 सितंबर को रिसाली दशहरा मैदान में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सामूहिक रूप से 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

कार्यक्रम को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देने रिसाली नगर पालिक निगम सभागार में विधायक ललित चंद्राकर ने आवश्यक बैठक ली।

बैठक में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, रिसाली मंडल एवं मरोदा-पुरैना मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, दीप प्रज्ज्वलन, स्वच्छता, साज-सज्जा, बैठक

व्यवस्था तथा ध्वनि-प्रकाश सहित विभिन्न तैयारियों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के तहत रिसाली विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर 100 दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इसके अलावा नगर के प्रमुख चौक-चौराहों, मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर भी दीप सज्जा और दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। मुख्य आयोजन रिसाली दशहरा मैदान में होगा, जहां शाम 7 बजे सामूहिक रूप से 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार शाम 5 बजे से साज-सज्जा एवं बैठक व्यवस्था शुरू होगी। शाम 6 से 6.30 बजे तक भव्य रंगोली प्रदर्शन और दीप प्रज्ज्वलन की तैयारियां की जाएंगी। इसके बाद शाम 7 बजे सामूहिक रूप से 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता और आयोजन स्थल की आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि यह केवल दीप जलाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक जनता का आशीर्वाद और शुभकामनाएं पहुंचाने का अवसर है। सेवा, समर्पण और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रिसाली की जनता 'आशीर्वाद के दीये' के माध्यम से अपना आभार व्यक्त करेगी।

बैठक में निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू राकेश जंघेल, महामंत्री दशरथ साहू, नरेंद्र निर्मलकर, पुनाराम कलिहारी, गुड्डू झा, जिला मंत्री शैलेंद्र शेंडे, नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शीखा तिवारी, शकुंतला दास, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रूपेश यादव, मनोज साहू, विधायक प्रतिनिधि गोविंद साहू, समाजसेवी सोनू राज सिंह सहित निगम कर्मचारी, रिसाली एवं मरोदा-पुरैना मंडल के पदाधिकारी, पार्षद, शक्ति केंद्र प्रभारी, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गणेश उत्सव आस्था के साथ सामाजिक एकता और सेवा का पर्व- मंत्री गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान श्री गणेश से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि गणेश उत्सव हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा ऐसा पर्व है, जो समाज को एकता, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। गणेश पंडाल केवल भगवान श्री गणेश की आराधना का केंद्र नहीं होते, बल्कि ये सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक गतिविधियों और सेवा भाव के माध्यम भी बनते हैं। इन पंडालों के माध्यम से युवाओं को अपनी रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को सामने लाने का अवसर मिलता है।

उन्होंने शहर में विभिन्न गणेश समितियों द्वारा उत्साह और श्रद्धा के साथ किए जा रहे आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि गणेश समितियों के युवा साथी जिस

समर्पण और मेहनत के साथ आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं, वह सराहनीय है। युवाओं की यह सक्रिय भागीदारी हमारी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन किए और गणेश समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने समिति के सदस्यों से संवाद कर आयोजन की जानकारी ली तथा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में उत्सव मनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद सभी के जीवन से विघ्न दूर करे और हर परिवार में सुख-समृद्धि लेकर आए।

सेवा सदन कार्यालय में भी स्थापित की गणेश प्रतिमा: मंत्री गजेन्द्र यादव ने अपने सेवा सदन कार्यालय में भी भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

उन्होंने कहा कि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत भगवान श्री गणेश के स्मरण और पूजन से करने की हमारी परंपरा रही है। गणेश उत्सव के माध्यम से समाज में सकारात्मकता, श्रद्धा और सेवा की भावना को और मजबूत करने का अवसर मिलता है।

विधायक ललित चंद्राकर निवास में विराजे भगवान गणेश

रिसाली/दुर्ग ग्रामीण। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर जी के निवास में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। विधायक ललित चंद्राकर ने अपने परिवारजनों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की।

विधायक ने इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान गणेश बुद्धि, ज्ञान और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

राज्यपाल रमेन डेका ने किया चक्रधर समारोह का भव्य शुभारंभ

महाराजा चक्रधर ने कला को राज सिंहासन से ऊपर रखकर रायगढ़ को दिलाई वैश्विक ख्याति

- 23 सितम्बर तक देश-प्रदेश के कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने संगीत, नृत्य और कला की समृद्ध परंपरा से जुड़ी रायगढ़ की धरती पर 41वें अंतर्राष्ट्रीय चक्रधर समारोह का सोमवार को महाराजा चक्रधर की तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत भव्य शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री डेका ने समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल कला प्रस्तुतियों का मंच नहीं, बल्कि महाराजा चक्रधर सिंह की कला-साधना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

14 से 23 सितम्बर तक रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकारों के साथ स्थानीय प्रतिभाएं भी गायन, वादन, नृत्य और लोककला की प्रस्तुतियां देंगी।

शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने समारोह में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का सम्मान किया। पद्मश्री डॉ. उषा बारले, पद्मश्री अनुज शर्मा सहित अन्य कलाकारों और कला गुरु स्वर्गीय वेदमणि सिंह ठाकुर के शिष्यों ने प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समारोह की सांस्कृतिक गरिमा को और ऊंचाई प्रदान की।

राज्यपाल ने कहा कि चक्रधर समारोह महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना और उनकी दूरदृष्टि को स्मरण करने का अवसर है। रायगढ़ भारतीय शास्त्रीय कलाओं की महत्वपूर्ण धरोहर भूमि है और रायगढ़ घराने के कथक ने देश ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। महाराजा चक्रधर सिंह ने राजसिंहासन से अधिक महत्व कला को दिया। उन्होंने कलाकारों को संरक्षण दिया और संगीत, नृत्य एवं साहित्य को आमजन के जीवन से जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह की कृतियां 'नर्तन सर्वस्व', 'तालतोय निधि' और 'राग रत्न मंजूषा' आज भी कला और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण धरोहर हैं। उन्होंने अपनी साधना से यह सिद्ध किया कि कला किसी एक स्थान या केंद्र की मोहताज नहीं होती। जहां निरंतर साधना होती है, वही स्थान कला का तीर्थ बन जाता है। रायगढ़ की पहचान आज संगीत, घुंघरुओं की झंकार, तबले की थाप और नृत्य की भाव-भंगिमाओं से जुड़ी है।

राज्यपाल ने कहा कि चक्रधर समारोह अब केवल एक शासकीय या संस्थागत आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह रायगढ़ की सांस्कृतिक धड़कन बन चुका है। देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलना इस समारोह की विशेषता है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी में अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव पैदा करते हैं। युवाओं को परंपरा के साथ नवाचार को जोड़ते हुए कला को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पंथी, राउत नाचा, भरथरी, सुआ, करमा सहित आदिवासी नृत्य और लोकगीत हमारी सांस्कृतिक विविधता की पहचान हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है और चक्रधर समारोह इसी सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है।

राज्यपाल ने कहा कि विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखना भी जरूरी है। रायगढ़ औद्योगिक विकास के साथ-साथ अपनी कला और संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। पिछले वर्ष समारोह ने अपने 40 वर्ष पूरे किए और अब 41वां समारोह नई ऊर्जा और नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे आयोजन सांस्कृतिक पुनर्जागरण का माध्यम बनते हैं और कला को समाज से जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति केवल हमारी पहचान नहीं, बल्कि पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी गति देने का माध्यम हैं। आज के डिजिटल युग में भी नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना चाहिए। अपनी जड़ों से जुड़ाव पिछड़ापन नहीं, बल्कि हमारी पहचान और ताकत है। चक्रधर समारोह अतीत को याद करने के साथ-साथ उस विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

श्री वेदमणि सिंह ठाकुर के शिष्यों ने गणेश वंदना प्रस्तुत किया। कलाकारों ने गायन और वादन की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। प्रियंका साहू ने हारमोनियम पर संगत की। सुनीता तिवारी, ईश्वरी गुप्ता, शुभांगी साहू, चवल पटेल, वेदप्रकाश आदित्य और बसंत यादव ने गायन की प्रस्तुति दी। देवलाल देवांगन ने पखावज, शान्तनु पटेल ने तबला, किशोर बारीक ने बाँसुरी तथा कुमारी शगुफ्ता बानो ने वायलिन वादन किया।

परंपरा और संस्कृति के मूल स्वरूप को जीवित रखने चक्रधर ने कई प्रयास किए

राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि चक्रधर समारोह की गौरवशाली परंपरा रही है कि इसका शुभारंभ राज्यपाल के करकमलों से होता है। महाराजा चक्रधर सिंह का जन्म 19 अगस्त 1905 को हुआ था। उन्होंने ऐसे समय भारतीय कला, संगीत और संस्कृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य किया, जब हमारी अनेक सांस्कृतिक परंपराएं अपने मूल स्वरूप से दूर होती जा रही थीं। भारतीय संगीत और कला की उस गौरवशाली परंपरा को, जो मंदिरों, धार्मिक अनुष्ठानों और मांगलिक अवसरों के साथ जनजीवन से जुड़ी रही है, उसके मूल स्वरूप में संरक्षित रखने के लिए महाराजा चक्रधर सिंह ने उल्लेखनीय प्रयास किए।

उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह केवल एक शासक नहीं, बल्कि भारतीय कला और संस्कृति के महान संरक्षक थे। उनकी रचनाएं और उनके द्वारा सृजित ग्रंथ भारतीय संगीत एवं कला जगत की अमूल्य धरोहर हैं। इन महत्वपूर्ण ग्रंथों का संरक्षण, अध्ययन और व्यापक प्रचार-प्रसार आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस महान सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें।

राज्यसभा सांसद ने बताया कि उन्होंने महाराजा चक्रधर सिंह की महत्वपूर्ण रचनाओं और ग्रंथों के संरक्षण एवं प्रकाशन का विषय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष भी रखा है, जिस पर प्रधानमंत्री ने विशेष रुचि दिखाई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में इन अमूल्य ग्रंथों के प्रकाशन की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार भारतीय संस्कृति, कला और गौरवशाली विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। महाराजा चक्रधर सिंह ने जिस उद्देश्य के साथ भारतीय कला और संस्कृति की महान परंपरा को संरक्षित और समृद्ध किया, उसे आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

चक्रधर समारोह से बढ़ी रायगढ़ की सांस्कृतिक विरासतः सांसद राठिया

लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि चक्रधर समारोह रायगढ़ की गौरवशाली सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। महाराजा चक्रधर सिंह ने संगीत और नृत्य के क्षेत्र में जो समृद्ध विरासत रायगढ़ को दी, उसे आगे बढ़ाने में यह समारोह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि चक्रधर समारोह को निरंतर नई ऊंचाइयों तक ले जाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान ने अतिथियों और कलाकारों का स्वागत करते हुए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, आयोजन समिति, मीडिया एवं रायगढ़वासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चक्रधर समारोह रायगढ़ की कला-संस्कृति की विशिष्ट पहचान है और इसे और ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने समारोह में उपस्थित राज्यपाल, जनप्रतिनिधियों, कलाकारों और कला प्रेमियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम, अधिकारी-कर्मचारियों, तकनीकी टीम, स्वयंसेवकों, मीडिया प्रतिनिधियों और कला प्रेमी नागरिकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्कृति किसी समाज की आत्मा होती है और कला उसकी जीवंत अभिव्यक्ति। चक्रधर समारोह रायगढ़ की इसी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से समारोह कला और संस्कृति के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगा।

नुआखाई समृद्ध कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अन्नदाता के परिश्रम का उत्सव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई फसल के स्वागत और प्रकृति के अनुपम उपहार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाले पावन पर्व नुआखाई के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अन्नदाता किसानों की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और सभी परिवारों की खुशहाली की मंगलकामना की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई समृद्ध कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। नई फसल के आगमन की खुशी में मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्न के सम्मान और किसान के अथक परिश्रम के प्रति आदर का भाव प्रकट करता है। खेतों में उपजी नई फसल केवल किसान की मेहनत का प्रतिफल नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा और हमारी कृषि प्रधान संस्कृति की समृद्धि का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हमारे अनेक पर्व और परंपराएं कृषि चक्र, प्रकृति और लोकजीवन से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई अपनी मिट्टी, अपनी जड़ों और अपनी गौरवशाली परंपराओं से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक आत्मीयता, पारिवारिक एकजुटता और आपसी सद्भाव को भी मजबूत करता है। नई फसल की खुशियां जब परिवार और समाज मिलकर साझा करते हैं, तब लोकसंस्कृति और अधिक जीवंत तथा समृद्ध होती है।

श्री साय ने नुआखाई के पावन अवसर पर कामना करते हुए कहा कि प्रकृति की कृपा छत्तीसगढ़ पर सदैव बनी रहे। हमारे किसान साथियों के खेत हरे-भरे और फसलों से लहलहाते रहें, अन्न के भंडार भरें तथा अन्नदाताओं के घर-आंगन में समृद्धि आए।

सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर में हितग्राहियों से की भेंट मुलाकात

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। सरगुजा दौरे के दौरान नगर पंचायत लखनपुर पहुंचे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मुलाकात कर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने हितग्राहियों से आवास निर्माण की स्थिति, योजना से मिले लाभ तथा आवास से जुड़ी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार गरीब तथा जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी संकल्प का महत्वपूर्ण उदाहरण है, जिसके माध्यम से अनेक परिवारों को अपने पक्के घर का सपना साकार करने का अवसर मिला है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह गरीब परिवारों के सम्मान, स्वाभिमान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराने का जो संकल्प लिया है, उससे देश के लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। पक्का मकान मिलने से परिवारों को न केवल सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिला है, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति नई उम्मीद भी मजबूत हुई है।

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि पात्र हितग्राहियों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचे। प्रधानमंत्री आवास योजना ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी जरूरतमंद परिवार को आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहना पड़े।

हितग्राहियों से चर्चा के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने उनकी व्यक्तिगत समस्याओं और आवास निर्माण से संबंधित आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी हितग्राहियों की समस्याओं के निराकरण तथा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने की अपेक्षा की।

'सेवा संकल्प अभियान' से जुड़ने का किया आह्वान

मंत्री श्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सेवा, जनकल्याण और जनभागीदारी के भाव को निरंतर मजबूती मिल रही है। सेवा संकल्प अभियान इसी भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने हितग्राहियों से आग्रह किया कि 17 सितंबर की संध्या 7 बजे अपने-अपने घरों में आशीर्वाद का दीया प्रज्ज्वलित करें और सेवा, समर्पण तथा जनभागीदारी के इस संकल्प से जुड़ें।

सरगुजा संभाग में सड़क अधोसंरचना को मिलेगी ऐतिहासिक मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सरगुजा संभाग के विकास और सुशासन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। संभाग के सभी छह जिलों सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और जशपुर में सड़कों के जाल को मजबूत करने के लिए 44 मुख्य सड़क कार्यों हेतु कुल 1,093.73 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं के तहत नई सड़कों का निर्माण, चौड़ीकरण, डामरीकरण, सुदृढ़ीकरण, फोरलेन निर्माण और आवश्यक स्थानों पर पुल-पुलिया का निर्माण किया जाएगा।

अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र में लरंगसाय चौक से रामानुजगंज मार्ग के 5 किमी हिस्से के फोरलेन चौड़ीकरण के लिए 69.10 करोड़ रुपए तथा गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक 5 किमी फोरलेन के लिए 61.34 करोड़ रुपए स्वीकृत। लुण्ड्रा और सीतापुर क्षेत्रों में असकला-दोरना मार्ग, सोनतराई-मैनपाट मार्ग (26.33 करोड़) सहित विभिन्न मार्गों और पुलियों के सुदृढ़ीकरण के कार्य शामिल हैं।

भटगांव विधानसभा क्षेत्र के तारा-प्रेमनगर-रामानुजनगर-कृष्णपुर 63 किमी मार्ग के लिए 64.93 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा कल्याणपुर-लटोरी मार्ग (40.93 करोड़), विशुनपुर-सूरजपुर-ओड़गी मार्ग (32.24 करोड़) और सूरजपुर के 17 किमी रिंग रोड के मजबूतीकरण (16.39 करोड़) सहित कई अन्य मार्ग संवरेंगे।

परसवार से चलगली 18 किमी उन्नयन मार्ग के लिए 38.80 करोड़ रुपए, वाड्रफनगर- जनकपुर-बलंगी मार्ग के लिए 35.32 करोड़ रुपए, तथा कामेश्वरनगर-लुरगी मार्ग के लिए 25.69 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंच आसान होगी।

लुड़ेग-बागबहार-तपकरा-लवाकेरा 55.80 किमी राज्य मार्ग के सुदृढ़ीकरण के लिए 40.32 करोड़ रुपए, पत्थलगांव के पहाड़ी भागों के उन्नयन हेतु 36.85 करोड़ रुपए, और बतौली-बगीचा-चरईडांड मार्ग के लिए 34.44 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है।

इन व्यापक सड़क परियोजनाओं से केवल आवागमन ही सुगम नहीं होगा, बल्कि इसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक लाभ होंगे। कृषि और व्यापार को गति मिलेगी, किसानों के कृषि उत्पाद आसानी से बाजारों तक पहुंच सकेंगे, जिससे स्थानीय व्यापार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। बेहतर होगा स्वास्थ्य और शिक्षा, दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों और मरीजों के लिए स्कूल, कॉलेज व स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। बेहतर कनेक्टिविटी से गांवों तक सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक सेवाओं का लाभ त्वरित गति से पहुँचेगा।

1,093.73 करोड़ रुपए की लागत वाली ये 44 परियोजनाएं सरगुजा संभाग के समग्र विकास, निवेश और नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में मील का पत्थर साबित होंगी।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

रश्मिका मंदाना का दिखेगा नया अवतार, गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक में आएंगी नजर

रश्मिका मंदाना अपने करियर में सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। खबर है कि वह कर्नाटक की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक में उनकी भूमिका निभाती दिखेगी। सुब्बुलक्ष्मी की भारतीय संगीत में अद्वितीय विरासत और योगदान को देखते हुए, इस अपडेट ने सोशल मीडिया पर हर किसी का ध्यान खींच लिया है। दिलचस्प बात यह है कि निर्माता परियोजना का ऐलान करने और जश्न मनाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन भी करने जा रहे हैं।

रश्मिका को आधिकारिक तौर पर सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुन लिया गया है। बताया जा रहा है कि इस भूमिका को निभाने से पहले उन्होंने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था।

फिल्म का नाम एमएस- ए लेगेसी ऑन स्क्रीन रखे जाने की संभावना है। 16 सितंबर, 2026 को गायिका की 110वीं जयंती के अवसर पर निर्माता फिल्म का आधिकारिक ऐलान करेंगे।

इस लॉन्च इवेंट में दिग्गज अभिनेता कमल हासन के शामिल होने की चर्चा भी है।

फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी गौतम तिन्ननुरी ने उठाई है। अनिरुद्ध रविचंदर को संगीतकार के रूप में चुना गया है। वहीं, अल्लू अरविंद, बन्नी वासु और रॉकलाइन वेंकटेश इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण कर रहे हैं।

बता दें, भारत रत्न से सम्मानित सुब्बुलक्ष्मी भारत की सबसे प्रतिष्ठित संगीत हस्तियों में से एक थीं, जिन्होंने गायन के साथ-साथ सेवासदनम, शकुंतलाई और सावित्री जैसी फिल्मों में भी योगदान दिया था।

कार्यक्रम के दौरान इंडियन कोरल एन्सेम्बल भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेगा।

चेरी प्रिंट टैंक टॉप में रीवा अरोड़ा का बोल्ड अंदाज, सिजलिंग अदाओं से इंटरनेट पर मचाया तहलका

एक्ट्रेस रीवा अरोड़ा एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपने नए फैशन सेंस और ग्लैमरस अवतार को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ नई तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका कूल, ट्रेंडी और बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है।

तस्वीरों में रीवा ने रिब्ड फैब्रिक वाला व्हाइट कलर का टैंक टॉप पहना हुआ है, जिसके सेंटर में दो लाल चेरी बनी हुई है। उन्होंने इस टैंक टॉप को नीचे से थोड़ा ऊपर मोड़कर वेस्टलाइन को फ्लॉन्ट किया है, जो उनके लुक को बोल्ड टच दे रहा है।

टॉप के साथ रीवा ने लाइट शेड की लो-राइज वाइल्ड-लेग डेनिम जीन्स पेयर की है। लुक को और ज्यादा लग्जरी और क्लासी बनाने के लिए उन्होंने वेस्ट बैंड पर क्रिश्चियन डिओर की सिग्नेचर फैब्रिक बेल्ट कैरी की है।

अपने लुक को पूरा करने के लिए रीवा ने गोल्डन चेन के साथ पेंडेंट, स्टाइलिश गोल्ड रिस्ट वॉच, फिंगर रिंग्स और हाथों में मिनिमल ब्रेसलेट्स पहने हैं। उनके ईयररिंग्स भी काफी अट्रैक्टिव हैं, जो चेरी शेप के ही मैचिंग रेड-ऑरेंज ड्रॉप ईयररिंग्स हैं।

रीवा का मेकअप सॉफ्ट ग्लैम थीम पर बेस्ड है। उन्होंने अपनी आइब्रोज को डार्क और परफेक्टली शेप्ड रखा है। आंखों पर सॉफ्ट ब्राउन शिमरी आईशैडो और मस्कारा का इस्तेमाल किया गया है। गालों पर पीची-पिंक ब्लश और हाइलाइटर का परफेक्ट ग्लो दिख रहा है। तस्वीरों में रीवा एक से बढ़कर सिजलिंग और बोल्ड अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं।

रीवा अरोड़ा की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल हो गई हैं। फैंस कमेंट सेक्शन में दिल और फायर वाले इमोजी की बरसात कर रहे हैं। कोई उन्हें स्टनिंग कह रहा है तो कोई उनके फैशन सेंस को जेन-जी फैशन गोल बता रहा है।

शहद के इस्तेमाल से बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन

शहद कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है और इसका नियमित सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। अगर आप किसी भी व्यंजन में इसका सीमित मात्रा में इस्तेमाल करते हैं तो इससे उसका स्वाद काफी बढ़ जाता है। आइए हम आपको शहद के इस्तेमाल से बनाए जाने वाले पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप घर पर सिर्फ 20 से 30 मिनट में तैयार कर सकते हैं।

हनी फ्रेंच टोस्ट

इसे बनाने के लिए आपको दो फेंटे हुए अंडे, एक चौथाई कप दूध, एक चौथाई कप शहद, एक चौथाई छोटी चम्मच नमक, छह-आठ ब्रेड के स्लाइस और थोड़े मक्खन की आवश्यकता होगी।

सबसे पहले अंडे, दूध, शहद और नमक को डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद एक सॉस पैन में मक्खन पिघलाएं और ब्रेड स्लाइस को अंडे के मिश्रण में डुबोएं और फिर इसे दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंके और गरमागरम परोसें।

हनी चिली पोटैटो

हनी चिली पोटैटो के लिए पहले आवश्यकतानुसार आलू को धोकर छीलें, फिर इन्हें फ्रेंच फ्राइज के आकार में काटकर अरारोट से मैरीनेट करें। इसके बाद फ्रेंच फ्राइज को डीप फ्राई करके प्लेट में निकालें।

अब गर्म कुकिंग ऑयल में कटी हुई शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक, टोमैटो सॉस, चिली सॉस, सोया सॉस, कुटी लाल मिर्च, थोड़ा नमक और सिरका डालकर कुछ मिनट पकाएं और फिर गैस बंद करके इसमें शहद मिलाएं। अंत में इसमें तले फ्रेंच फ्राइज मिलाकर इसे परोसें।

बेक्ड हनी चीज केक

सबसे पहले अपने ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें और एक केक पैन को मक्खन से चिकना करके उसमें एक बेकिंग पेपर डालें। अब एक कटोरे में कटे हुए खजूर, ओट्स, सूरजमुखी के बीज, दालचीनी और नारियल समेत पिघला मक्खन मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को केक पैन में डालें और बेक करें, फिर बेक केक पर क्रीम चीज, अंडे, नींबू के रस, वनिला एसेंस और शहद को फेटकर डालें और दोबारा इसे बेक करने के बाद परोसें।

स्पाइस हनी कैमोमाइल कूलर

सबसे पहले थोड़ा पानी उबाकर उसमें कैमोमाइल टी बैग्स, दालचीनी और लौंग डालकर पांच मिनट के लिए उबालें। इसके बाद पानी में से दालचीनी और लौंग को निकालकर इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें और फिर प्रत्येक गिलास में एक बड़ा चम्मच संतरे का रस और कुछ बर्फ के टुकड़ों समेत तैयार ड्रिंक डालकर इसे परोसें।

बनाना हनी मफिन

सबसे पहले अपने ओवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। इसके बाद एक पैन में मक्खन पिघलाकर उसमें शहद और दूध डालें, फिर इसमें मैश किए हुए केले डालें। अब इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर, थोड़ा नमक मिलाकर गैस बंद करें और मिश्रण को मफिन कप में डालकर 20 से 25 मिनट तक अच्छे से बेक करें। अंत में थोड़ा ठंडा करके मफिन को परोसें।

अनियमित पीरियड्स की समस्या से निजात पाने के लिए करें इन 8 चीजों का सेवन

पीरियड्स अर्थात माहवारी हर महिला के जीवन का खास चक्र है। इसी की बदौलत एक महिला को मातृत्व सुख मिल पाता है। इस दौरान महिलाओं के शरीर से खराब खून बाहर निकल जाता हैं। महिलाओं की सेहत को बनाए रखने में पीरियड्स का महत्वपूर्ण रोल हैं। कई बार महिलाएं अपनी माहवारी को लेकर बहुत परेशान हो जाती हैं क्योंकि समय निकल जाने पर भी उनका पीरियड नहीं आता है। अनियमित रूप से पीरियड्स होने के कारण कई बार हैवी ब्लीडिंग होती है वहीं कभी-कभी कम या न के बराबर ब्लीडिंग होती है। यह सेहत को प्रभवित करता हैं। ऐसे में किचन में मौजूद कुछ चीजें आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती हैं जिनके सेवन से रुका हुआ पीरियड आ जाएगा और आपको कोई समस्या भी नहीं होगी।

सोंठ और अजवाइन:- पीरियड्स खुलकर नहीं होते तो रात को सोते समय आधा चम्मच अजवाइन के साथ गुनगुना हल्दी वाला दूध पीएं। इससे आपको पीरियड्स ठीक से आने लगेंगे। इसके अलावा आप गुड़ में चौथाई चम्मच सोंठ और चौथाई चम्मच अजवाइन को डालकर हल्दी वाले गुनगुने दूध के साथ लें। इससे भी पीरियड्स खुलकर आने लगेंगे।

अदरक:- अदरक पीरियड्स लाने वाले सबसे ताकतवर उपायों में से एक है। यह बेहद गर्म होता है। हालांकि इसके साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। अदरक से गैस बनती है। हालांकि अगर आपके पीरियड्स काफी डिले हो गए हो तो अजवायन और अदरक की चाय ट्राए कर सकती हैं। इससे आपका काम हो जाएगा।

खड़ा धनिया:- महिलाओं के रुके हुए पीरियड को लाने में खड़ा धनिया बहुत हद तक सहायक है। एक चम्मच खड़े धनिये को दो कप पानी में उबाल लें। जब पानी एक कप रह जाए तो गैस को बंद कर दें और उसे अच्छे से छान लें। इस पानी का दिन में तीन बार सेवन करें। यदि बराबर नियम से आप इसका सेवन करते रहेंगे तो यह माहवारी को लाने में बहुत प्रभावशाली रहेगा। पुराने समय से महिलाएं माहवारी को नियमित करने के लिए इस नुस्खे का प्रयोग करते आ रही हैं।

दालचीनी:- दालचीनी का सेवन सेहत के लिए अच्छा होता है, इसके सेवन से खाने का स्वाद बढ़ता है, वहीं ये पीरियड्स में हो रहे दर्द को दूर करने में भी मदद करता है। दालचीनी का सेवन रोजाना करते हैं तो ये अनियमित पीरियड की समस्या को रेगुलर करने में में मदद करता है। वहीं खाली पेट दालचीनी के पानी का सेवन भी आप कर सकते हैं।

कच्चा पपीता:- अनियमित पीरियड या फिर पीरियड न आने पर आपको अपनी डाइट में कच्चा पपीता शामिल करना चाहिए। कच्चे पपीते के सेवन से काफी फायद हो सकते हैं। दरअसल, यह गर्भाशय की मांसपेशियों के संकुचन को कंट्रोल किया जा सकता है। वहीं, कई रिसर्च में भी इस बात का दावा किया गया है कि कच्चा पपीता खाने से मासिक धर्म न होने की परेशानी को कम किया जा सकता है। इसके अलावा जिन लोगों को स्ट्रेस की वजह से पीरियड की परेशानी हो रही है, उनके लिए भी कच्चा पपीता काफी फायदेमंद होता है। क्योंकि कच्चा पपीता आपके स्ट्रेस को कंट्रोल करने में प्रभावी है।

सौंफ:- सौंफ की सुंगधित चाय के इस्तेमाल से भी आप जल्द पीरियड्स ला सकते हैं। एक

ग्लास पानी में 2 चम्मच सौंफ रात भर तक रखें और सुबह छान कर पी लें। खाली पेट सुबह सौंफ के इस पानी का प्रयोग करने पर यह ज्यादा फायदा देता है।

एप्पल साइडर विनेगर:- पीरियड ना आने पर आप रोजाना सेब के सिरके का सेवन करें। इससे आपको बेहतर रिजल्ट मिल सकता है। रिसर्च में बताया गया है कि रोजाना 15 मिली एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से पीसीओएस से ग्रसित महिलाओं की समस्या को कम किया जा सकता है।

इससे पीरियड्स न आने की परेशानी दूर होती है। हालांकि, अभी इस पर और अधिक शोध की आवश्यकता है। आप इसे गर्म पानी में मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा इस पानी में आप शहद को भी मिला सकते हैं। इससे आपको काफी फायदा होगा।

हल्दी:- हल्दी का सेवन सेहत के लिए बहुत ही ज्यादा अच्छा होता है, इसके सेवन से मानसिक धार्मिक यानी पीरियड्स से कई समस्याएं दूर होती जाती है। हल्दी का सेवन अनेकों तरीकों से किया जा सकता है, इसे आप दूध के साथ, मसाले के रूप में आदि तरीकों से कर सकते हैं।

बाजार में मौजूद हैं नौ तरह की हेयर ब्रश आपके लिए कौनसी रहेगी बेहतर?

अगर आपको लगता है कि कंघी भले ही कोई भी हो वह सिर्फ बालों को संवारने के ही काम आती है, तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अगर बालों की बनावट के अनुसार कंघी का इस्तेमाल किया जाए तो उससे बालों को संवारने के साथ-साथ कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। अगर आप अपने बालों के लिए कंघी के चयन को लेकर उलझन में हैं तो आइए हम आपको नौ तरह की कंघी और उनकी विशेषताएं बताते हैं।

पैडल हेयर ब्रश और राउंड हेयर ब्रश

पैडल हेयर ब्रश:- लंबे और सीधे बालों के लिए इस कंघी का चयन करना अच्छा रहेगा। यह बालों को जल्दी सुलझाती है। घुंघराले और वेवी बाल वाले भी इस कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपके घने बाल हैं तो नायलॉन या सिंथेटिक ब्रिसल्स वाला ही पैडल हेयर ब्रश चुनें।

राउंड हेयर ब्रश:- वेवी बालों के लिए यह कंघी एकदम सही है, जो बालों में वॉल्यूम और बाउंस जोड़ता है। यह बाजार में विभिन्न आकारों में उपलब्ध है।

टीजिंग हेयर ब्रश और चौड़े दांतों वाली कंघी

टीजिंग हेयर ब्रश:- यह हर तरह के बालों के लिए बेहतरीन है। इससे बालों का वॉल्यूम बढ़ा हुआ दिखता है और इसके पॉइंट-एंडेड हैंडल की मदद से बालों को अलग करने में मदद मिलती है। हालांकि, अगर आपके बाल कमजोर हैं तो इस कंघी के इस्तेमाल से बचें।

चौड़े दांतों वाली कंघी:- यह कंघी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतर है। खासकर, गीले बालों को टूटने से बचाने के लिए यह कंघी सबसे अच्छी होती है।

डिटैंगलर हेयर ब्रश और रेट-टेल हेयर ब्रश

डिटैंगलर हेयर ब्रश:- यह कंघी भी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतरीन है। यह बालों की गांठों को आसानी से सुलझाने और उन्हें टूटने से बचाने में सहायक है।

रेट-टेल हेयर ब्रश:- यह कंघी बालों को अलग-अलग हिस्सों में बांटने के लिए आदर्श है। इससे बालों की स्टाइलिंग के दौरान उन्हें अलग करना काफी आसान हो जाता है। किसी भी तरह के बालों की स्टाइलिंग के लिए इस कंघी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वेंटेड हेयर ब्रश और बोअर ब्रिसल ब्रश

वेंटेड हेयर ब्रश:- अगर आपके पास बालों को ठीक से कंघी करने का समय नहीं है तो वेंटेड हेयर ब्रश आपके गीले बालों को तोड़े बिना उन्हें सुलझाता है और इन्हे सुखाने में भी सहायक है। इसका इस्तेमाल भी हर तरह के बालों पर किया जा सकता है।

बोअर ब्रिसल ब्रश:- यह कंघी घुंघराले और पतले बाल वाले लोगों के लिए सही है। यह बालों की लंबाई में प्राकृतिक तेलों को वितरित करके उन्हें आसानी से संवारता है।

लूप हेयर ब्रश

इस कंघी में लूप ब्रिसल्स होते हैं, जो बालों के एक्सटेंशन को बिना खींचे संवारते हैं। आपके बाल भले ही किसी भी प्रकार के हो, अगर आपने हेयर एक्सटेंशन करवा रखा है तो लूप हेयर ब्रश का इस्तेमाल करें।

क्यों ट्रोल हुईं अंबानी के गणपति उत्सव में पहुंची दिशा पटानी, यूजर्स ने कृति सेनन से कर डाली तुलना

अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी में दिशा पटानी के आउटफिट की काफी आलोचना हो रही है। इसके साथ ही यूजर्स सोशल मीडिया पर इसे कृति सेनन के राखी एड विवाद से जोड़ रहे हैं। 14 सितंबर गणेश चतुर्थी को हर साल की तरह इस बार भी अंबानी परिवार ने गणेशोत्सव का आयोजन किया। इस समारोह में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पटानी भीं पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने जो आउटफिट पहना था उसे लेकर सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दिशा पटानी गणेश चतुर्थी के अवसर पर अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने लाल लहंगे और डीप नेकलाइन वाले ब्लाउज पहन रखा है। एक्ट्रेस के पार्टी में शामिल होने का वीडियो वायरल ही गया। इसके बाद कई यूजर्स ने उनके पहनावे पर सवाल उठाये।

यूजर्स कर रहे आलोचना

इस वीडियो के वायरल होने के बाद यूजर्स इस पर मिली- जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'गणपति उत्सव के लिए ये किस तरह का भद्दा पहनावा है? उन्हें ड्रेस कोड रखना चाहिए।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'पहले कृति सैनन और अब दिशा पटानी - क्या उन्होंने जो ड्रेस पहनी है वह गणपति उत्सव के लिए उपयुक्त है? इन बॉलीवुड अभिनेत्रियों को हिंदू त्योहारों की पवित्रता का जरा भी सम्मान नहीं है।'

तीसरे यूजर ने लिखा, 'गणपति उत्सव में दिशा पटानी की उपस्थिति एक सीधा सा सवाल खड़ा करती है: क्या धार्मिक समारोहों में कोई बुनियादी ड्रेस कोड नहीं होना चाहिए? आप वहां गणपति दर्शन और भक्ति के लिए हैं, रैंप वॉक के लिए नहीं। मैं इस अवसर की पवित्रता का सम्मान करती हूं।'

कृति सेनन के राखी एड से हो रही तुलना

कृति सेनन ने बीते दिनों एक ज्वैलरी कंपनी के लिए रक्षाबंधन पर खास विज्ञापन शूट किया। कृति सेनन के इस विज्ञापन में दिखाया गया कि वह रक्षाबंधन का त्योहार मना रही हैं। वहीं असल विवाद उस आउटफिट पर था जो कृति ने इस विज्ञापन में पहना। वो इसमें एक ब्रालेट पहने नजर आई। वीडियो के वायरल होने के बाद कृति को खूब ट्रोल किया गया।

खास-खबर

एमसीबी के युवाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच, 'यंग लीडर डायलॉग' बनेगा नई उड़ान

एमसीबी। कलेक्टर तथा जिला सलाहकार समिति (माय भारत) की अध्यक्ष संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मेरा युवा भारत (माय भारत) के अंतर्गत 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के आयोजन एवं युवाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिला युवा अधिकारी चहल कैलाशिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग' युवाओं को अपनी प्रतिभा, विचार और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करेगा। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों से अपील की गई कि वे अपने विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, ग्राम पंचायतों, गैर-सरकारी संगठनों तथा अन्य ज्ञान संस्थानों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से मजदूर मां के बेटे समीर का भविष्य संवर रहा

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम लोहारी की रहने वाली मजदूर मां रामवती सिंह के लिए अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलाना कभी एक ऐसा सपना था, जिसके सामने आर्थिक मजबूरियां खड़ी थीं। मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करने वाली रामवती के लिए बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना आसान नहीं था। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना उनके परिवार के लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। योजना के माध्यम से उनके बेटे समीर सिंह को कक्षा 6वीं से 12वीं तक नि:शुल्क शिक्षा मिल रही है। इससे न केवल पढ़ाई का खर्च कम हुआ है, बल्कि समीर के बेहतर भविष्य की राह भी आसान हुई है। रामवती सिंह का श्रम विभाग में पंजीयन है।

महतारी वंदन की सहायता से मालती देवी ने संवारा आत्मनिर्भरता का रास्ता

दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां यह बताती हैं कि सही अवसर, मेहनत और संकल्प के साथ आर्थिक सहायता को आजीविका के मजबूत साधन में बदला जा सकता है। पंचायत हितावर की रहने वाली मालती देवी चौहान ने महतारी वंदन योजना से मिलने वाली 1,000 की मासिक आर्थिक सहायता का सदुपयोग करते हुए पशुपालन एवं डेयरी व्यवसाय को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया है। मालती देवी को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रत्येक माह 1,000 की राशि प्राप्त होती है।

जनभागीदारी से सफल होगा सेवा संकल्प अभियान, हर नागरिक तक पहुंचे सेवा और सुशासन का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री सूरजपुर जिले के प्रभारी। मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के सफल संचालन को लेकर संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री बघेल ने अभियान की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनभागीदारी के साथ सेवा संकल्प अभियान को जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत , हर नागरिक तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा के अवसर पर आयोजित होने वाले इस अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को इससे जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कहानी बदलाव की को जन-जन तक पहुंचाएं। लोगों को बताएं कि पहले परिस्थितियां कैसी थीं और आज विकास एवं जनकल्याण की दिशा में क्या बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही अभियान की सार्थकता है। मंत्री ने पंचायत स्तर तक शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाने के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में भी बेहतर एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण, सेवा सेतु अभियान सरकार,आपके द्वार सहित जनहित से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने की बात कही।

मंत्री बघेल ने बैठक में 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत,सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री बघेल ने कहा कि सभी कार्यक्रमों को भव्य, गरिमामय एवं जनभागीदारीपूर्ण बनाएं, ताकि सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचे। उन्होंने पदाधिकारियों एवं अधिकारियों से कहा कि सभी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान की गतिविधियों को सफल बनाएं। विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है।

उन्होंने जिले में सेवा संकल्प अभियान का सफल एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों को क्रमवार विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बैठक मे वानमंडलधिकारी विपुल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

जीपीएम में जगमगाएंगे 2 लाख आशीर्वाद के दीये

पेंड्रा में जिला स्तरीय आयोजन के साथ ग्राम पंचायतों, अमृत सरोवरों और घर-घर होगा दीप प्रज्वलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और जनकल्याण की भावना को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। एक माह तक चलने वाले इस अभियान में जिलेभर में विविध जनकल्याणकारी, सामाजिक और जनभागीदारी आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

अभियान के प्रथम दिवस 17 सितंबर को जिले में शाम 7 बजे 2 लाख आशीर्वाद के दीये प्रज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर मल्टीपर्पस स्कूल मैदान पेंड्रा में जिला स्तरीय दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां 11 हजार दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। यह आयोजन सेवा, संकल्प और जनभागीदारी की भावना का भव्य प्रतीक बनेगा। जिला स्तरीय आयोजन के साथ

ही गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के तीनों जनपद पंचायत क्षेत्रों में भी जनभागीदारी के साथ दीप प्रज्वलन किया जाएगा। मरवाही जनपद पंचायत की 10, गौरेला जनपद पंचायत की 8 और पेंड्रा जनपद पंचायत की 7 चयनित ग्राम पंचायतों में 25 हजार दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके साथ ही पेंड्रा स्थित दुर्गा सरोवर, जिले के सभी अमृत सरोवरों, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों, महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों, बिहान समूह की महिलाओं तथा सभी शासकीय कार्यालयों और संस्थाओं में भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इस सामूहिक दीप प्रज्वलन के माध्यम से जिले के गांवों से लेकर शहरों तक सेवा और जनभागीदारी का संदेश पहुंचाया जाएगा।

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को बेहतर आपसी समन्वय के साथ अभियान के लिए निर्धारित कैलेंडर के अनुसार सभी कार्यक्रमों का प्रभावी आयोजन और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अभियान की सभी पहलों की समय पर तैयारी पूरी करने और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप उनका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों और आयोजित गतिविधियों की फेटो एवं वीडियो सहित जानकारी निर्धारित गूगल ड्राइव में नियमित रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए, ताकि अभियान की गतिविधियों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और संधारण सुनिश्चित किया जा सके।

सर्व समाज प्रमुखों से अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील

सेवा संकल्प अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कलेक्ट्रेट के अरपा सभाकक्ष में सर्व समाज प्रमुखों की बैठक भी ली। उन्होंने समाज प्रमुखों को अभियान की रूपरेखा और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए उनसे अपने-अपने समाज के सदस्यों एवं नागरिकों को अभियान से जोड़ने की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करते हुए जिले में अभियान को व्यापक स्वरूप दिया जाना है। उन्होंने 17 सितंबर को मल्टीपर्पस स्कूल मैदान पेंड्रा में आयोजित होने वाले आशीर्वाद का दीया समारोह में सर्व समाज प्रमुखों एवं नागरिकों को सहभागिता के लिए आमंत्रित किया।

पीएम मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल और जन्मदिवस पर दीये जलाने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी 17 सितंबर को जन्मदिवस और सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल पूर्ण होने के पावन अवसर पर प्रदेशभर में उत्साह का माहौल है। इस अवसर को खास बनाने और प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना के लिए राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने प्रदेशवासियों से 17 सितंबर की संध्या अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्वलित करने की अपील की है।

माटी के शिल्पकारों को संबल देने और 'जनभागीदारी' का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से मंत्री श्री वर्मा ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के तिल्दा क्षेत्र स्थित मोहभट्ठा पारा पहुंचकर स्थानीय कुम्हारों से स्वयं मिट्टी के दीप खरीदे। इस दौरान उन्होंने वोकल फॉर लोकल के भाव को आत्मसात करते हुए स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया।

मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और अंतिम व्यक्ति के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उनके 25 वर्षों का सेवाकाल त्याग, निष्ठा और दृढ़ संकल्प का उदाहरण है। उनके जन्मदिवस को सेवा और समर्पण के साथ मनाना हम सभी के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि 17 सितंबर को हर परिवार कम से कम एक मिट्टी का दीपक जलाकर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करे और इस जनभागीदारी अभियान का हिस्सा बने।

सेवा संकल्प अभियान 2026 : कभी घर का था इंतजार, अब मिला सपनों का आशियाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद की ऐसी किरण बन रही है, जो वर्षों से देखे जा रहे पक्के घर के सपने को हकीकत में बदल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन की योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाया जा रहा है। जशपुर जिले के तपकरा की रहने वाली श्रीमती सावित्री की कहानी इसी बदलाव की एक प्रेरक तस्वीर है।

कभी सावित्री के लिए अपना पक्का घर केवल एक सपना था। कच्चे और असुरक्षित मकान में परिवार के साथ जीवन बिताते हुए उन्हें हर मौसम में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। परिवार के लिए सुरक्षित छत और

अपने घर का सपना आंखों में था, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण उसे पूरा करना आसान नहीं था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण उनके लिए उम्मीद बनकर सामने आई। योजना का लाभ मिलने के बाद सावित्री के परिवार के जीवन में बदलाव की नई शुरुआत हुई। शासन की सहायता से उनका अपना पक्का मकान तैयार हुआ और वर्षों से देखा जा रहा सपनों का आशियाना हकीकत बन गया।

तीसरे दिन तक बड़ौदा को 62 रनों की बढ़त, छग की स्थिति मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसियेशन द्वारा डॉ. के थिम्मापीयाह मेमोरीयल आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की सीनीयर टीम का तिसरा मैच सीएमआर युनिवर्सीटी स्टेडियम, बेंगलुरू में बडौदा के खिलाफखेला जा रहा है।

मैच के तीसरे दिन की समाप्ति तक बडौदा ने अपनी दूसरी पारी में 66 ओवरों में 7 विकेट खोकर 186 रन बना लिये है। बडौदा की ओर से हर्ष देसाई ने 68 रन तथा परिक्षित पाटीदार ने 45 रन बनाये।

बड़ौदा ने दूसरी पारी के आधार पर 62 रनों की बढ़त बना ली है। छत्तीसगढ़ की ओर से वरुण सिंह भुई ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 6 विकेट प्राप्त किये।

इससे पहले बडौदा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। बडौदा ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 83 ओवरों में 10 विकेट खोकर 286 रन बनाये। बडौदा की ओर से मितेश पटेल ने 68 रन तथा मनन सोलंकी ने नाबाद 47 रन बनाये। उनके अतिरिक्त अक्षय मोरे ने 34 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से संदिप वारीयर तथा वरुण सिंह भुई ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 4-4 विकेट प्राप्त किये।

छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 104.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 348 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से अमनदीप खरे ने 77 रन तथा अनुज तिवारी ने 73 रनों की शानदार पारी खेली। पहले विकेट के लिये अनुज तिवारी (73 रन) तथा संगीत सोनी (57 रन) के मध्य 109 रनों साझेदारी हुयी। राहुल प्रधान ने भी 66 रनों का योगदान दिया। बडौदा की ओर से परिक्षित पाटीदार ने 4 विकेट तथा भार्गव भट्ट ने 4 विकेट प्राप्त किये।

श्रमिकों की ई-केवाईसी के लिए गांव-गांव लगेंगे शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । मनेन्द्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर विकासखंड की ग्राम पंचायतों में संशोधित कार्यक्रम जारी; अधिकारी-कर्मचारियों को सुबह 10 बजे शिविर स्थल पर पहुंचने के निर्देशमनेन्द्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर विकासखंड की ग्राम पंचायतों में संशोधित कार्यक्रम जारी; अधिकारी-कर्मचारियों को सुबह 10 बजे शिविर स्थल पर पहुंचने के निर्देश जिले के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए राहत की खबर है। अब उन्हें पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन और ई-केवाईसी जैसी प्रक्रियाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के निर्देश पर ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर श्रमिकों की ई-केवाईसी और विभिन्न योजनाओं से जुड़े आवेदन लिए जाएंगे।

धान के साथ मछली पालन ने बदली किसानों की किस्मत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी केवल धान की खेती पर निर्भर रहने वाले महासमुंद जिले के किसानों ने अब मछली पालन को आय और रोजगार का नया जरिया बना लिया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से जिले के करीब 150 किसान मत्स्य पालन से जुड़कर अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं।

किसी ने तालाब बनाकर मछली पालन शुरू किया तो किसी ने हैचरी और पाउंड लाइनर यूनिट स्थापित कर इसे व्यवसाय का रूप दिया। योजना के तहत मिलने वाले अनुदान ने किसानों के लिए इस कारोबार में निवेश की राह आसान की है। बिरकोनी के किसान दिनेश चन्द्राकर की कहानी इस बदलाव की मिसाल है। पारंपरिक खेती में बढ़ती लागत को देखते हुए उन्होंने मछली पालन को आय का नया साधन बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत करीब 7.50 लाख रुपए की लागत से एक हेक्टेयर में तालाब तैयार कराया। इसके बाद करीब 14 लाख रुपए की लागत से 20 हजार वर्गफुट में मछली हैचरी स्थापित की। सरकारी अनुदान से उन्हें अपने व्यवसाय को विस्तार देने में मदद मिली। दिनेश बताते हैं कि हैचरी में मछली के बच्चे तैयार कर तालाब में डाले जाते हैं। करीब 8 से 9 महीने में 15 टन तक मछली तैयार हो जाती है। एक किलो मछली तैयार करने में करीब 70 से 80 रुपए की लागत आती है, जबकि बाजार में यह 120 से 150 रुपए प्रति किलो तक बिक जाती है। तैयार मछली को मछुआरों के माध्यम से बाजार तक पहुंचाया जाता है। इससे उन्हें खेती के साथ अच्छी अतिरिक्त आमदनी हो रही है।

बिहान योजना ने बदली किस्मत: 4 आजीविका साधनों से प्रतिमाह 80 हजार कमाकर 'लखपति दीदी' बनीं छत्तीसगढ़ की नीतू साहू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी को मात देकर आत्मनिर्भर बनने का सपना देखने वाली महिलाओं के लिए छत्तीसगढ़ के बरमकेला विकासखंड के ग्राम रिसोरा की नीतू साहू एक प्रेरणा बनकर उभरी हैं। 'बिहान योजना' और स्व-सहायता समूह के संबल से उन्होंने न केवल अपनी मेहनत को हुनर में बदला, बल्कि आज वे हर महीने लगभग 80 हजार रुपये की आय अर्जित कर एक सफल 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी नई पहचान बना चुकी हैं।

अन्नपूर्णा स्व-सहायता समूह' और 'सखी संकुल संगठन बुदेली' से जुड़ने के बाद नीतू साहू ने अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का संकल्प लिया। उन्होंने संकुल संगठन से 1.20 लाख रुपये

और बिहान योजना के तहत बैंक से 30 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि को किसी एक व्यवसाय में लगाने के बजाय उन्होंने रणनीतिक रूप से कई आजीविका गतिविधियों में निवेश किया।स्थानीय मांग को देखते हुए छोटे स्तर से मशरूम उत्पादन की शुरुआत,गांव के तालाब में मत्स्य पालन और गाय पालन के साथ दूध बिक्री का काम शुरू किया। इसके साथ ही ?मुर्गी पालन कर नियमित आय के स्रोत के रूप में इसे विकसित किया।

इन चार अलग-अलग माध्यमों से मिलने वाली आय ने उनके परिवार को मजबूत आर्थिक आधार प्रदान किया और नीतू दीदी को गांव की अन्य महिलाओं के लिए रोल मॉडल बना दिया। सेवा संकल्प अभियान और 'आशीर्वाद का दीया' अपनी इस अभूतपूर्व सफलता और सरकारी योजनाओं से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नीतू साहू 'सेवा संकल्प अभियान' में उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं। उन्होंने बताया कि वे 17 सितंबर को अपने घर में 'आशीर्वाद का दीया' जलाएंगी। उनके लिए यह दीया केवल रोशनी का प्रतीक नहीं, बल्कि उन अवसरों, सहयोग और संकल्प के प्रति कृतज्ञता का भाव है, जिसने उनकी जिंदगी को नई दिशा दी।

नीतू साहू दीदी की यह कहानी साबित करती है कि यदि ग्रामीण महिलाओं को सही मार्गदर्शन और योजनाबद्ध सहायता मिले, तो वे आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिख सकती हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

गौवंश को कुचलकर ट्रक समेत हुआ फरार चालक गिरफ्तार

कांकेर। चारामा थाना क्षेत्र में तेज एवं लापरवाहीपूर्वक ट्रक चलाते हुए गौवंश को कुचलने और घटना के बाद वाहन लेकर फरार होने के आरोप में पुलिस ने एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। हादसे में गौवंश की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने ट्रक जब्त कर आरोपी चालक को न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस के मुताबिक, 12 सितंबर 2026 की रात करीब 11:30 बजे कानापोड़ के पास यह घटना हुई। शिकायतकर्ता ने चारामा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक ट्रक के चालक ने कथित रूप से तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क पर मौजूद गौवंश को कुचल दिया। टक्कर इतनी गंभीर थी कि गौवंश की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि हादसे के बाद चालक वाहन रोकने के बजाय ट्रक लेकर घटनास्थल से फरार हो गया।

राजनांदगांव में दो चोरी के मामलों का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने चोरी के दो अलग-अलग मामलों का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का सामान और 60 हजार रुपये नकद सहित अन्य सामग्री बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन और डीएसपी क्राइम सत्यप्रकाश तिवारी के पर्यवेक्षण में कार्रवाई की गई।

सामुदायिक भवन में थियेटर चलाने का आरोप

बीजापुर। बीजापुर में सार्वजनिक भवनों के व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने सवाल उठाए हैं। सीपीआई ने जिला प्रशासन और नगर पालिका परिषद से ऐसी गतिविधियों को तुरंत बंद कराने और भवनों को आम जनता के लिए उपलब्ध कराने की मांग की है। सीपीआई जिला सचिव कमलेश झाड़ी ने सोमवार को प्रेस बयान जारी कर यह बात कही। कमलेश झाड़ी ने आरोप लगाया कि नगर पालिका क्षेत्र में आम लोगों की सुविधा के लिए बनाए गए सामुदायिक भवन में लंबे समय से थियेटर चल रहा है। इन भवनों का निर्माण शादी, सामाजिक कार्यक्रम, बैठक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन के सामने स्वामी आत्मानंद स्कूल भी है। इसके बावजूद यहां व्यावसायिक गतिविधियां जारी हैं। इसी तरह सांस्कृतिक भवन में भी व्यापारिक मेले और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां कराई जा रही हैं।

कंप्यूटर टीचर पर छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोप

बीजापुर। भोपालपटनम के एकलव्य आवासीय विद्यालय में छात्राओं से कथित छेड़छाड़ के मामले में सर्व आदिवासी समाज ने कड़ा रुख अपनाया है। समाज के जिला अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी ने आरोपी शिक्षक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही प्राचार्य और विशेष निगरानी समिति के सदस्यों की भूमिका की भी जांच कर दोषी पाए जाने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। तेलामी ने कहा कि छात्राओं और उनके परिजनों के अनुसार, वर्ष 2024-25 से ही आरोपी शिक्षक के आपत्तिजनक व्यवहार को लेकर विद्यालय प्रबंधन से शिकायत की जाती रही है। आरोप है कि इन शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपों की पुष्टि होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। समाज ने चेतावनी दी है कि सात दिनों के भीतर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो बस्तर संभाग बंद सहित लोकतांत्रिक आंदोलन और सरकारी कार्यक्रमों के बहिष्कार पर विचार किया जाएगा।

अंतरराज्यीय नारको-वाइल्डलाइफ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़: छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर चलाया गया संयुक्त ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व, डीआरआई और छत्तीसगढ़-ओडिशा वन विभाग की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय नारको-वाइल्डलाइफ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त टीम ने 3 दिनों के भीतर 3 बड़े ऑपरेशन चलाकर 79 किलो गांजा और 1.47 किलो प्रतिबंधित पैंगोलिन स्केल्प जब्त किए हैं। मामले में 8 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन ने बताया कि 10 सितंबर को यूएसटीआर की बोराई जांच चौकी पर ओडिशा से आ रही एक संदिग्ध बाइक को रोका गया। तलाशी में 31 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी बाइक छोड़कर फरार हो गए। जब्त माल धमतरी पुलिस को सौंपा गया है। इसी इनपुट के आधार पर 11 सितंबर को ओडिशा के नबरंगपुर में घेराबंदी की गई। यहां ड्रोन और डॉग स्क्वाड की मदद से 48 किलो गांजा और स्कूटी के साथ 2 पेडलर, प्रहलाद हरिजन और बिमल माझी, को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए पेडलर्स से मिले सुराग के बाद टीम ने मलकानगिरी के गोविंदपल्ली में दबिश दी।

यहां से 1.47 किलो पैंगोलिन स्केल्प, 3 बाइक और 5 मोबाइल जब्त किए गए। मामले में 6 आरोपी रामा कृष्ण गडबा (35), पूर्णा भूमिया (30), ईश्वर भूमिया (24), कुमा बिसोई (31), सभी मलकानगिरी, सुशांत खिल्ला (25) और लक्ष्मण सिलपड़िया (23), दोनों कोरापुट, को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया।

प्रतिबंधित पैंगोलिन स्केल्प व पैंगोलिन तस्करी के कई अहम सुराग मिले हैं।

तीजा पर सूना मिला घर तो टूट पड़ा चोरों का गैंग, पड़ोसियों को बंद कर उड़ाए जेवर-नकदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब बस्ती में लगे गणेश पंडाल से चंद कदम की दूरी पर ही चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रामपुर शराब दुकान के सामने स्थित बस्ती का है। जहां तीजा त्यौहार मनाने पूरा परिवार घर में ताला लगाकर रिश्तेदार के घर गया था, इसी का फायदा उठाकर चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर सोना-चांदी के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के अनुसार कौशिल्या बरेठ के मकान में उसकी मां, बेटा और बेटी निवास करते हैं। तीजा पर्व के चलते मां कौशिल्या अपनी बेटी आरती बरेठ के साथ अपनी बहन के घर तीजा मनाने गई हुई थी। वहीं बेटा नाइट शिफ्ट ड्यूटी पर गया था। घर में कोई नहीं होने से मकान सूना पड़ा था। इसी दौरान देर रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया।

चोरों ने बड़ी ही शातिराना तरीके से वारदात को अंजाम दिया। चोरी करने से पहले चोरों ने आसपास के पड़ोसियों के घर के दरवाजों को बाहर से बंद कर दिया ताकि कोई बाहर न निकल सके और उन्हें चोरी करने का पूरा मौका मिल सके। सुबह जब पड़ोसी उठे तो उनके घर के दरवाजे बाहर से बंद मिले, जिसके बाद उन्होंने फोन कर आसपास के लोगों को बुलाया।

सुबह जब नाइट ड्यूटी से बेटा घर लौटा तो घर का मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने घर में रखी एक अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात और नगद रकम पार कर दी। इतना ही नहीं बेड के अंदर रखे सामानों को भी खंगाला गया। पूरे घर में सामान बिखरा पड़ा था।

चोरी की वारदात में हैरान करने वाली बात यह है कि जिस घर में चोरी हुई है, उससे महज 10 कदम की दूरी पर बस्ती के लोगों ने गणेश जी की मूर्ति स्थापित की है। लोग देर रात तक जागकर पूजा-पाठ करते हैं, इसके बावजूद चोरों ने इस बड़ी घटना को अंजाम दे दिया। बताया जा रहा है कि चोरों ने चोरी के दौरान घर में ही गुटखा खाकर थूककर गंदगी भी फैलाई है।

घर की बेटी आरती बरेठ ने बताया कि वह मां के साथ मौसी के घर गई थी। भाई सुबह ड्यूटी से लौटा तो ताला टूटा मिला। इसके बाद सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी गई।

सोशल मीडिया की दोस्ती से बढ़ी नजदीकी फिर पहुंचा मामला थाने तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाने वाले मामले गौरेला थाना क्षेत्र से सामने आए हैं। मामले में आरोपी और पीड़ित नाबालिग बताया जा रहा हैं।

पुलिस के अनुसार, मामले में नाबालिगों के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से बातचीत और दोस्ती की शुरुआत हुई थी। बातचीत बढ़ने के साथ उनके बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में दोनों मामले गंभीर आरोपों तक पहुंच गए। मामलों के सामने आने के बाद बच्चों के मोबाइल फोन इस्तेमाल और सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर परिजनों की चिंता बढ़ गई है।

लगातार बढ़ते सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बीच कम उम्र में बच्चों का ऑनलाइन सक्रिय होना अभिभावकों के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। कई बार बच्चे सोशल मीडिया के जरिए अनजान लोगों के संपर्क में आ जाते हैं। बातचीत के दौरान निजी जानकारी साझा करने से भी उनकी ऑनलाइन सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। ऐसे में बच्चों को केवल मोबाइल से दूर रखने के बजाय उन्हें सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में समझाना भी जरूरी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। साथ ही बच्चों के साथ लगातार संवाद बनाए रखना जरूरी है, ताकि यह पता चल सके कि वे सोशल मीडिया पर किस तरह के लोगों के संपर्क में हैं और किन गतिविधियों में शामिल हैं। बच्चों को अनजान लोगों से ऑनलाइन दोस्ती, निजी जानकारी साझा करने और संदिग्ध लिंक या संदेशों के संभावित खतरों के बारे में भी समझाने की सलाह दी गई है।

पुलिस के मुताबिक, गौरेला थाने में सामने आए दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है। चूंकि दोनों प्रकरणों में आरोपी और पीड़ित नाबालिग हैं, इसलिए कानूनी प्रावधानों के तहत उनकी पहचान और अन्य संवेदनशील जानकारी गोपनीय रखी जा रही है।

खड़ी गाड़ियों में आग लगाकर दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार, घर के सामने खड़ी स्कूटी भी फूंकी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने खड़ी गाड़ियों में आग लगाकर दहशत फैलाने के दो अलग-अलग मामलों में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। दोनों मामलों में आरोपी ने स्कूटी और बाइक में आग लगाई थी।

पहली घटना 10 सितंबर की रात 12 बजे से 3 बजे के बीच हुई। सूर्या चौक चिंगराजपारा में द्वारका प्रसाद यादव के किराए के मकान में गौरी देवांगन की स्कूटी खड़ी थी। आरोपी ने स्कूटी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

आग से स्कूटी और उसमें रखा दूसरा सामान पूरी तरह जलकर खराब हो गया। गौरी देवांगन की शिकायत पर सरकंडा थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पैसे नहीं देने पर बाइक चुराकर जलाई

दूसरे मामले में बंधवापारा निवासी नफीस खान ने सरकंडा थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि महेश कुमार साहू उर्फ भोला साहू उर्फ गजनी उर्फ पेचकस ने उनसे शराब पीने के लिए पैसे मांगे थे। पैसे नहीं देने पर आरोपी ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

इसके बाद आरोपी ने नफीस की हीरो स्प्लेंडर बाइक चोरी कर ली। बाद में बाइक को बंधवापारा भंडारी प्लांट रोड के पास ले जाकर जला दिया।

तकनीकी सबूतों से आरोपी तक पहुंची पुलिस

सरकंडा थाना प्रभारी प्रदीप आर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दोनों मामलों की जांच शुरू की। इस दौरान मिली जानकारी और तकनीकी सबूतों के आधार पर संदिग्ध महेश कुमार साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में आरोपी ने दोनों घटनाओं को अंजाम देना कबूल किया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

भाजपा नेता पर चाकू से हमला कर अहमदाबाद भागा आरोपी, भाई की सूचना पर रायपुर स्टेशन से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के जोरातराई में भाजपा नेता राजेंद्र सिंह यादव पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी कुरपा बाग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद आरोपी अहमदाबाद भाग गया था, लेकिन वहां दोस्त ने फोन नहीं उठाया तो वापस लौट आया। रायपुर रेलवे स्टेशन से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। आरोपी की बाइक एम्स परिसर से बरामद हुई है।

घटना शनिवार सुबह करीब 8 बजे की है। राजेंद्र सिंह यादव जोरातराई के एक होटल में चाय पी रहे थे। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचा और पीछे से चाकू से हमला कर दिया। चाकू गले में लगने से राजेंद्र यादव घायल हो गए। राजेंद्र यादव को इलाज के लिए भिलाई के सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

बाइक एम्स में खड़ी कर ट्रेन से अहमदाबाद भागा

हमले के बाद आरोपी पुलिस से बचने के लिए दुर्ग से निकल गया। उसने पहले अपनी बाइक एम्स परिसर में खड़ी की और फिर ट्रेन से अहमदाबाद चला गया। वहां वह एक दोस्त के पास रुकने वाला था, लेकिन अहमदाबाद पहुंचने के बाद दोस्त ने उसका फोन नहीं उठाया। इसके बाद आरोपी ने वापस लौटने का फैसला किया।

दोस्त को फोन किया, भाई तक पहुंची जानकारी

अहमदाबाद से लौटते समय आरोपी ने अपने दोस्त को फोन किया। उसने बताया कि उसकी बाइक एम्स में खड़ी है और वह वापस रायपुर आ रहा है। उसने दोस्त से रायपुर स्टेशन आकर उसे लेने के लिए कहा। इस फोन कॉल की जानकारी आरोपी के भाई तक पहुंची। भाई ने पुलिस को सूचना दी कि आरोपी अहमदाबाद से लौट रहा है और रायपुर स्टेशन आने वाला है।

सूचना के बाद पुलिस ने पहले एम्स पहुंचकर आरोपी की बाइक बरामद की। इससे आरोपी के एम्स पहुंचने की बात की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस को उसके रायपुर आने की जानकारी मिली।

पुलिस परिवार के सदस्यों के साथ रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंची और निगरानी शुरू कर दी। आरोपी जैसे ही स्टेशन पहुंचा, पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

पुलिस ने आरोपी की पहचान कुरपा बाग (40), निवासी मिलन चौक, बागपारा, ग्राम जोरातराई के रूप में की है। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। हमले का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों को जांच में शामिल कर रही है। घायल भाजपा नेता राजेंद्र सिंह यादव का सेक्टर-9 अस्पताल में इलाज जारी है।

बोरी में डालकर नहर में फेंका शव, गर्दन पर मिले धारदार हथियार के निशान, हत्या की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। सक्ती जिले के अड़भार चौकी क्षेत्र में नहर में बोरी के अंदर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मंगलवार शाम ग्रामीणों ने नहर में पानी के साथ बहकर आ रही एक बोरी को देखा। संदेह होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही अड़भार चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और बोरी को नहर से बाहर निकालकर खोला। इसके अंदर एक व्यक्ति का शव मिला। प्रारंभिक जांच में मृतक की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किए जाने जैसे निशान

दिखाई दिए हैं। ऐसे में पुलिस हत्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आशंका है कि हत्या के बाद शव को बोरी में बांधकर नहर में फेंका गया होगा। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद एडिशनल एसपी पंकज पटेल सहित जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से जुड़े साक्ष्य जुटाए और आसपास के क्षेत्र में भी जानकारी एकत्र की।

फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से संपर्क कर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि मृतक कौन है और वह नहर तक कैसे पहुंचा।

पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारण और गर्दन पर मिले चोट के निशानों की प्रकृति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले की सभी संभावित पहलुओं से जांच कर रही है।

गणेश पर्व पर शांति भंग किया, दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्रवाई

तिल्दा-नेवरा। गणेश पर्व के दौरान क्षेत्र में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से तिल्दा-नेवरा पुलिस द्वारा असामाजिक एवं आपराधिक गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी अभियान के तहत सार्वजनिक स्थान पर धारदार चाकू लेकर राहगीरों को डराने-धमकाने एवं भय का वातावरण निर्मित करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

थाना तिल्दा-नेवरा क्षेत्र के ग्राम तुलसी साईंधाम रोड एवं सिंचाई कॉलोनी तुलसी में सार्वजनिक स्थान पर धारदार चाकू लेकर घूम रहे दो आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। दोनों आरोपियों के कब्जे से दो नग धारदार चाकू तथा एक नग मोटरसाइकिल स्प्लेंडर बरामद कर जब्त की। धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा मामले में धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में साहिल ध्रुव उर्फ लक्की, उम्र 18 वर्ष, थाना खरोरा, वहीं अपराध क्रमांक 393/2026 के तहत धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में गणेश ध्रुव, उम्र 19 वर्ष, थाना खरोरा पर कार्रवाई की गई। तिल्दा-नेवरा पुलिस द्वारा गणेश पर्व के दौरान सार्वजनिक शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र में असामाजिक तत्वों, अड्डेबाजों एवं चाकूबाजी जैसी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर धारदार हथियार लेकर घूमने, भय उत्पन्न करने अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक एवं निरोधात्मक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ट्विंकल रुपनारायण गुप्ता पिता रुपनारायण गुप्ता निवासी - 164 एचबी नगर, नामदेव नगर, ओल्ड कामप्टी रोड, रेलवे क्रासिंग के पास नागपुर सिटी (महाराष्ट्र) पिन कोड 440017 यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम ट्विंकल अग्रवाल पति अनुराग अग्रवाल रख ली हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम ट्विंकल अग्रवाल पति अनुराग अग्रवाल से ही जाना व पहचाना जावे।

ट्विंकल अग्रवाल
पति अनुराग अग्रवाल
पता - 39/5 नेहरु नगर पूर्व, अग्रसेन चौक, पोस्ट मोतीलाल नेहरू नगर, भिलाई, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन 490020

चिप्स का लालच देकर मासूम से रेप की कोशिश, 8 साल की बच्ची से की गंदी हरकत

रायपुर। रायपुर के संतोषी नगर इलाके में 8 साल की बच्ची से पिता के ही दोस्त ने रेप करने की कोशिश की। आरोप है कि पड़ोसी सुलेमान कुरैशी नाबालिग के घर में घुसा और चिप्स देने के बाद उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। नाबालिग ने आरोपी के चंगुल से खुद को छुड़ाया और वहां से भाग निकली। घटना के बाद परिजनों ने मामले की शिकायत टिकरापारा थाने में की है। पुलिस ने आरोपी सुलेमान कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पॉक्सो एक्ट, छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' की ट्रॉफी का अनावरण

दुनिया के गोल्फ मानचित्र पर पहचान बना रहा छत्तीसगढ़ : साय

132 प्रोफेशनल गोल्फर ले रहे हिस्सा, 18 विदेशी खिलाड़ी भी दिखाएंगे अपना कौशल

- नवा रायपुर ओपन बनेगा छत्तीसगढ़ की नई पहचान, गोल्फ को बढ़ावा देने हरसंभव सहयोग
- दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता की तरह प्रमुख गोल्फडेस्टिनेशन बनेगा छत्तीसगढ़
- मुख्यमंत्री ने दिया बस्तर और सरगुजा की प्राकृतिक सुंदरता देखने का दिया न्योता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ तेजी से देश के उभरते स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में खेल अधोसंरचनाओं के विस्तार, प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित खेल आयोजनों की मेजबानी से छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिली है। अब प्रोफेशनल गोल्फ के बड़े टूर्नामेंट का नवा रायपुर में आयोजन इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब रिजॉर्ट में प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगा और नवा रायपुर को देश-दुनिया के प्रमुख गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतियोगिता की आकर्षक ट्रॉफी का अनावरण किया तथा देश-विदेश से आए प्रोफेशनल गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर 1983 क्रिकेट विश्वकप विजेता भारतीय टीम के कप्तान एवं प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव की विशेष उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने गोल्फ में हाथ आजमाया और शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री को गोल्फ खेलते देखकर उपस्थित खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और अतिथियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

132 प्रोफेशनल खिलाड़ियों की भागीदारी गौरव का अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रदेश के लिए प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि नवा रायपुर में देश के प्रोफेशनल गोल्फ का इतना प्रतिष्ठित आयोजन हो रहा है। प्रतियोगिता में देश-विदेश के 132 प्रोफेशनल खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 18 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। इतने बड़े स्तर पर देश और दुनिया के श्रेष्ठ गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ आना प्रदेश में खेलों के लिए विकसित हो रहे अनुकूल वातावरण का परिचायक है। ऐसे आयोजनों का प्रभाव केवल खेल मैदान तक सीमित नहीं रहता। इससे प्रदेश की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत होती है, खेल पर्यटन को प्रोत्साहन मिलता है और स्थानीय युवाओं को विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को करीब से देखने एवं उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। श्री साय ने गोल्फ से जुड़ी अपनी स्मृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय था, जब हम केवल फिल्मों में गोल्फ देखते थे। बदलते छत्तीसगढ़ में हम स्वयं प्रोफेशनल गोल्फ के आयोजन की मेजबानी कर रहे हैं। यह प्रदेश में तेजी से विस्तार ले रही खेल संस्कृति का सुखद संकेत है।

खेल अधोसंरचना के विस्तार के साथ प्रतिभाओं को मिल रहे नए अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रदेश की पहचान से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। छत्तीसगढ़ में खेल अधोसंरचना का लगातार विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल भव्य क्रिकेट स्टेडियम मौजूद है और विभिन्न खेल विधाओं के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन लगातार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में खेलों के प्रति व्यापक वातावरण तैयार किया जा रहा है। नेशनल ट्राइबल गेम्स में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 2500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों ने हजारों युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बड़ा मंच प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और पर्यटन स्थलों को देखने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी जब यहां से लौटें तो अपने साथ केवल टूर्नामेंट की यादें ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के लोगों के आत्मीय आतिथ्य और यहां की खूबसूरत स्मृतियां भी लेकर जाएं।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकृति ने छत्तीसगढ़ को अनुपम सौंदर्य से समृद्ध किया है। बस्तर का प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात, जिसे भारत का नियाग्रा भी कहा जाता है, सहित अनेक जलप्रपात, वन क्षेत्र और प्राकृतिक स्थल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसी तरह सरगुजा भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ियों, वनों और विशिष्ट संस्कृति के लिए जाना जाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता के साथ समय निकालकर छत्तीसगढ़ को करीब से जानने और यहां के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' के आयोजन से जुड़े सभी प्रायोजकों, प्रोफेशनल गोल्फटूर ऑफ इंडिया की टीम तथा आयोजन से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए प्रतियोगिता की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

छत्तीसगढ़ का वातावरण गोल्फ के लिए बेहद अनुकूल, बनेगा प्रमुख डेस्टिनेशन : कपिल देव

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं 1983 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव ने 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े प्रोफेशनल आयोजन किसी भी प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और नई प्रतिभाओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्री कपिल देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गोल्फ के साथ-साथ अन्य खेलों के विकास की भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि इस प्रतिष्ठित गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ में प्रत्येक वर्ष हो और आने वाले वर्षों की तारीखें पहले से निर्धारित की जाएं। इससे प्रोफेशनल खिलाड़ी अपने अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट कैलेंडर के अनुरूप छत्तीसगढ़ आने की योजना बना सकेंगे।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का वातावरण गोल्फ के लिए बेहद अनुकूल है और यहां खिलाड़ियों को मिल रहा आत्मीय आतिथ्य इसकी एक विशेष पहचान है। जिस प्रकार आज दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता गोल्फ के महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में जाने जाते हैं, उसी तरह आने वाले समय में छत्तीसगढ़ भी देश के प्रमुख गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाएगा।

पीजीटीआई के सीईओ अमनदीप चहल ने कहा कि प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया की टीम जब भी छत्तीसगढ़ आती है, यहां उसका आत्मीय और भव्य स्वागत होता है। छत्तीसगढ़ में खेलने वाले खिलाड़ी यहां के वातावरण, गोल्फ कोर्स और व्यवस्थाओं से प्रभावित होकर दोबारा यहां आकर खेलने की इच्छा व्यक्त करते हैं। छत्तीसगढ़ को अब पर्यटन के साथ-साथ एक उभरते हुए गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में भी पहचाना जाने लगा है।

विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम में छत्तीसगढ़ की सक्रिय सहभागिता, कचरे को संसाधन में बदलने पर किया मंथन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गुजरात के गांधीनगर में आयोजित 10वें वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम में छत्तीसगढ़ ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के नेतृत्व में राज्य से गई टीम ने फोरम में शामिल होकर सर्कुलर इकोनॉमी, संसाधन दक्षता और कचरे को संसाधन में बदलने के आधुनिक समाधानों पर वैश्विक विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ सुमीत अग्रवाल भी प्रतिनिधि मंडल में शामिल हैं।

राज्य की टीम के प्रमुख श्री बोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन शहरी क्षेत्रों में टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधनों के अधिकतम उपयोग और सर्कुलर इकोनॉमी की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य का प्रयास है कि नवाचार और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से कचरे का बेहतर प्रबंधन करते हुए उसे उपयोगी संसाधन में परिवर्तित किया जाए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ स्वच्छ, मजबूत और टिकाऊ शहरों के निर्माण को गति मिलेगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में राज्य की पहल और मजबूत होगी।

फोरम में दुनिया के विभिन्न देशों के नीति-निर्माता, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, नवाचारी तकनीक विकसित करने वाले संस्थान और क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञ एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने, संसाधनों के बेहतर उपयोग, टिकाऊ उत्पादन एवं उपभोग तथा वेस्ट-टू-रिसोर्स जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।

राज्य की टीम ने प्रदर्शनी केंद्रों का किया अवलोकन

छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने फोरम के दौरान प्रदर्शनी केंद्रों का भी अवलोकन किया। यहां रिसाइक्लिंग, संसाधनों की रिकवरी, कचरे से उपयोगी उत्पाद तैयार करने, टिकाऊ सामग्री तथा सर्कुलर बिजनेस मॉडल से जुड़ी नवीन तकनीकों और समाधानों को प्रदर्शित किया गया था। टीम ने इन तकनीकों और मॉडलों के जरिए कचरे को बोझ के बजाय उपयोगी संसाधन में बदलने की संभावनाओं को समझा।

छत्तीसगढ़ के शहरी विकास के लिए उपयोगी समाधानों की तलाश

विश्व सर्कुलर इकोनॉमी फोरम में सहभागिता के दौरान राज्य की टीम को वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को समझने तथा छत्तीसगढ़ के शहरी विकास और अपशिष्ट प्रबंधन तंत्र के लिए उपयोगी नवाचारों की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिला।

इनमें विशेष रूप से संसाधन दक्षता, अपशिष्ट प्रबंधन और वेस्ट-टू-वैल्यू से जुड़े समाधानों पर फोकस रहा।

लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव में विकास को मिली नई रफ्तार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के निरंतर प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। इसी क्रम में विभिन्न गांवों में 33.64 लाख रूपये की लागत से जनसुविधा और अधोसंरचना से जुड़े विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बढ़ने के साथ ही सार्वजनिक एवं शैक्षणिक अधोसंरचना मजबूत होगी। क्षेत्र में आवागमन करने वाले ग्रामीणों एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चार स्थानों पर आधुनिक यात्री प्रतीक्षालयों का निर्माण किया जाएगा। ग्राम लटोरी बस स्टैंड में 4.91 लाख रूपये , ग्राम करवां के पड़कीपारा चौक में 4.85 लाख रूपये , ग्राम बतरा के नवापारा चौक में 4.68 लाख रूपये तथा ग्राम खोपा के मुख्य चौक में 4.68 लाख रूपये की लागत से यात्री प्रतीक्षालय बनाए जाएंगे। इन सुविधाओं से यात्रियों को धूप, बारिश सहित विभिन्न मौसमों में राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने मीरा के पसरे से खरीदा आशीर्वाद का दीया, दिए एक हजार रुपए

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। तेलीबांधा मरीन ड्राइव में सड़क किनारे पसरा लगाकर मिट्टी के दीये बेच रही मीरा के लिए आज का दिन अचानक बेहद खास बन गया। रोज की तरह वह अपने छोटे से पसरे पर दीये सजाकर ग्राहकों की प्रतीक्षा कर रही थी। इसी बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का काफिला अचानक उसके पसरे के पास जाकर रुक गया।

मुख्यमंत्री ने मीरा के पसरे पर रखे मिट्टी के दीयों को देखा और 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के लिए एक दीया खरीदा। मुख्यमंत्री ने महिला को एक हजार रुपए प्रदान किए। मुख्यमंत्री का यह सहज भाव स्थानीय स्तर पर छोटे व्यवसाय के माध्यम से आजीविका अर्जित करने वाली मीरा के श्रम, स्वाभिमान और स्वावलंबन के सम्मान का सुंदर संदेश भी दे गया। मुख्यमंत्री ने मीरा से उसके कामकाज और परिवार का हालचाल पूछा। श्री साय ने पूछा कि उसे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। मीरा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत उसका बैंक खाता खुल चुका है। राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत उसे हर महीने एक हजार रुपए प्राप्त हो रहे हैं।

सेवा को संकल्प बनाने का अभियान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को जनभागीदारी के माध्यम से और मजबूत करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सेवा संकल्प अभियान से पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ जुड़ें। अपने गांव, शहर और आसपास स्वच्छता के कार्यों में सहभागी बनें, पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं, जरूरतमंदों की सहायता करें और अपनी क्षमता के अनुरूप जनसेवा का कोई न कोई संकल्प अवश्य लें। उन्होंने कहा कि सेवा का कोई कार्य छोटा नहीं होता। किसी जरूरतमंद की सहायता, अपने आसपास स्वच्छता, एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करना, स्थानीय कारीगर से कोई वस्तु खरीदना अथवा समाज के हित में किया गया छोटा-सा प्रयास भी जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

तेलीबांधा मरीन ड्राइव के सड़क किनारे लगे एक छोटे से पसरे से मुख्यमंत्री द्वारा खरीदा गया मिट्टी का यह दीया कई मायनों में खास बन गया। इसमें एक महिला के श्रम और स्वावलंबन का सम्मान जुड़ा, तो दूसरी ओर जनधन और महतारी वंदन जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी पहुंच भी सामने आई। यही दीया अब 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, जनभागीदारी और विकास के संकल्प का प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा उपस्थित थे।

जशपुर में पीएम-जुगा के तहत 'क्लस्टर होमस्टे' को मंजूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जनजातीय पर्यटन को नई ऊंचाई देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पर्यटन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएम जुगा) के अंतर्गत जशपुर जिले के बगीचा-मयाली-जशपुर क्लस्टर में क्लस्टर आधारित होमस्टे परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के माध्यम से जनजातीय अंचल के गांवों में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के साथ-साथ स्थानीय परिवारों को पर्यटन गतिविधियों से सीधे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

परियोजना के तहत किंकेल, कमतरा, डंगरी, महनई, सरुधाप और पंडरापाठ सहित 6 जनजातीय गांवों में कुल 30 नए होमस्टे विकसित किए जाएंगे। प्रत्येक गांव में 5 होमस्टे तैयार किए जाने का प्रस्ताव है। इस क्लस्टर के विकास पर लगभग 1.80 करोड़ रुपये व्यय प्रस्तावित है। इसमें होमस्टे निर्माण के साथ गांव स्तर पर आवश्यक सामुदायिक सुविधाओं के विकास का भी प्रावधान किया गया है।

यह परियोजना पारंपरिक होटल आधारित पर्यटन से आगे बढ़कर कम्यूनिटी बेस्ड को प्रोत्साहित करेगी। होमस्टे के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय परिवारों के बीच रहकर जशपुर की जनजातीय संस्कृति, खान-पान, लोक परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण जीवन को करीब से जानने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। इससे पर्यटन से होने वाली आय का सीधा लाभ स्थानीय परिवारों तक पहुंचेगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। होमस्टे स्थानीय परिवेश और पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक गांव में सामुदायिक स्तर की सुविधाओं के लिए 5 लाख रुपये तक के कार्य प्रस्तावित हैं।

प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों से जुड़ेगा होमस्टे क्लस्टर

क्लस्टर का चयन क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। बगीचा और जशपुर नगर के साथ-साथ कैलाश गुफा, खुड़ियारानी गुफा, बादलखोल अभयारण्य, रानीदाह जलप्रपात, देशदेखा पहाड़, लोरोघाट सहित अनेक प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों के निकट स्थित हैं। होमस्टे सुविधा विकसित होने से पर्यटकों के लिए इन क्षेत्रों में ठहरने के बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे। इससे जशपुर में पर्यटकों की ठहरने की अवधि बढ़ने की संभावना है और पर्यटन गतिविधियों का लाभ स्थानीय स्तर पर व्यापक रूप से पहुंच सकेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950